मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 172
रविवार, 04 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

छत्तीसगढ़ में दो मुठभेड़ में 12 से अधिक नक्सली मारे गए

बस्तर, 03 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 12 से अधिक नक्सली मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले में 10 से ज्यादा नक्सलियों को तथा पड़ोसी बीजापुर जिले में दो अन्य नक्सलियों को मार गिराया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुकमा जिले में दक्षिणी क्षेत्र के जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। उन्होंने कहा, अब तक 10 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया गया है। अभियान अब भी जारी है। इस संबंध में विस्तार से जानकारी बाद में दी जाएगी।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को खोजी अभियान में रवाना किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच शनिवार सुबह पांच बजे से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान अब भी जारी है इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती ताकि अभियान में शामिल जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। पिछले वर्ष सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 285 नक्सलियों को मार गिराया था।

मालवीय, वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 03 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उन्हें सही मायने में राजनेता बताया। सिंह दिल्ली विधानसभा में दोनों नेताओं के चित्रों का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने भारत माता विषय पर एक कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद थीं। सिंह ने कहा कि वाजपेयी और मालवीय के चित्रों का अनावरण उनके शब्दों और कार्यों की एक मौन स्मृति है।

उन्होंने लोगों से शिक्षा को राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने का एक साधन मानने का आह्वान किया, जैसा कि मालवीय ने किया था और राजनीति को वाजपेयी की तरह लोक सेवा के रूप में लेने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मालवीय और वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे। सिंह ने कहा कि वाजपेयी ने स्वतंत्र भारत में शिक्षा को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि उनका (वाजपेयी) मानना था कि संकीर्ण मानसिकता से कोई महान नहीं बन सकता और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राजनीतिक मतभेद कभी भी कलह में तब्दील न हों।

उन्होंने कहा, वाजपेयी ने हमें सिखाया कि सत्ता में रहते हुए विनम्र रहना चाहिए और विपक्ष में रहते हुए राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। यहां तक कि किसी की आलोचना करते समय भी वह हमेशा गरिमा बनाए रखते थे और उन्हें आहत करने से बचते थे।

उन्होंने कहा कि वाजपेयी मालवीय के विचारों और कार्यों के सच्चे उत्तराधिकारी थे। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विधायी मामलों के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार में संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की

अंडमान एवं निकोबार, 03 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की शनिवार को अध्यक्षता की। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई और अपराह्न करीब दो बजकर 40 मिनट पर समाप्त हुई।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अपराध से लड़ने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग किए जाने और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) एवं राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) जैसे अत्याधुनिक केंद्रों की क्षेत्रीय स्तर पर स्थापना किए जाने पर भी बैठक में जोर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के रणनीतिक महत्व पर एक अलग सत्र भी आयोजित किया गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं बंडी संजय कुमार, समिति के सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।शाह दोपहर बाद श्री विजय पुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) के आईटीएफ ग्राउंड में नवीन न्याय संहिता पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह नेताजी स्टेडियम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। शाह शुक्रवार रात तीन दिवसीय दौरे पर अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह पहुंचे थे। उनका विमान श्री विजयपुरम में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित आईएनएस उत्क्रोश पर रात करीब 10 बजकर 45 मिनट पर उतरा। उपराज्यपाल डी. के. जोशी समेत अन्य लोगों ने शाह का स्वागत किया। यह एक महीने से भी कम समय में शाह का यहां दूसरा दौरा है। उन्होंने इससे पहले 12 दिसंबर को वी. डी. सावरकर की प्रतिष्ठित कविता सागर प्राण तलमाला की 116वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में द्वीपसमूह का दौरा किया था।

IRCTC Scam में लालू प्रसाद यादव की बड़ी लड़ाई, निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती

पटना, 03 जनवरी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कथित IRCTC घोटाले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। इस याचिका की सुनवाई सोमवार को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा के समक्ष होगी। अक्टूबर 2025 में, निचली अदालत ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा निविदा आवंटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ आरोप तय किए थे।

उनकी पत्नी, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, और उनके बेटे तेजस्वी यादव, जो वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, पर भी आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

आरोप तय करते समय, राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) विशाल गोगने ने पाया कि लालू प्रसाद यादव ने केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, भूमि निविदा प्रक्रिया में पात्रता शर्तों में हेरफेर करने के लिए कथित तौर पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था।

अदालत ने माना कि वह कथित साजिश से पूरी तरह अवगत थे और उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया था, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 2017 में यादव, उनके परिवार के सदस्यों, भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के अधिकारियों और अन्य निजी व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से जुड़ा है।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि 2004 से 2009 के बीच, जब यादव रेल मंत्री थे, पटना और पुरी में IRCTC होटल के टेंडर पसंदीदा पक्षों को रिश्वत के रूप में प्रमुख भूमि और शेयर देने के लिए एक आपराधिक साजिश रची गई थी। जांच पूरी होने के बाद, सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया।

एनआईए कर रही नालागढ़ बम विस्फोट की जांच : हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) सोलन जिले के नालागढ़ बम विस्फोट की जांच कर रहा है और एजेंसी की रिपोर्ट आने के बाद ही इस घटना के दोषियों के बारे में कोई जानकारी मिल पाएगी। उन्होंने सोलन जिले में संवाददाताओं से कहा कि राज्य के फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से नमूने लिए हैं और इलाके की सीसीटीवी फुटेज की भी पड़ताल की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कंडाघाट में दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्टता केंद्र की आधारशिला रखने के बाद कहा कि चूंकि मामला जांच के अधीन है, इसलिए एनआईए की रिपोर्ट आने के बाद ही इस घटना के दोषियों के बारे में कोई जानकारी सामने आ पाएगी।

रेलवे के लिए व्यवहार्य ऊर्जा समाधान प्रदान करती है परमाणु ऊर्जा: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 03 जनवरी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर एआई-आधारित अर्थव्यवस्था तथा रेलवे के लिए डेटा केंद्रों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यवहार्य और व्यावहारिक समाधान प्रदान करते हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति) विधेयक के पारित होने से देश भविष्य की नयी अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो गया है।

वैष्णव ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, जैसे-जैसे दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना रही है, डेटा केंद्र एआई-आधारित अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करेंगे। इन डेटा केंद्रों को भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होगी, जो केवल परमाणु ऊर्जा से ही प्राप्त की जा सकती है।

मंत्री ने कहा कि परमाणु ऊर्जा ही एकमात्र ऐसा स्रोत है जो बिना किसी प्रदूषण के सतत आधार भार और भारी विद्युत धारा प्रदान कर सकती है। वैष्णव ने कहा कि नए डिजाइन से कंटेनर में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना संभव हो जाता है, जिसे 14 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जहाजों को बिजली देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 15-30 मेगावाट क्षमता वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का उपयोग रेलवे परिचालन के लिए भी किया जा सकता है।

वैष्णव ने कहा, रेलवे देश भर में 700 स्थानों पर ग्रिड से बिजली लेता है। छोटे और मॉड्यूलर रिएक्टरों को भी बिजली के एक स्थायी स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में कई अंतर्निहित सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उनके बड़े पैमाने पर उपयोग को संभव बनाती हैं।

वैष्णव ने कहा, शांति विधेयक इसलिए पारित किया गया ताकि परमाणु ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत बन सके। निजी क्षेत्र की कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की अनुमति देने वाला शांति विधेयक पिछले महीने शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शांति अधिनियम को अपनी मंजूरी दे दी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए नई सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की

तमिलनाडु। तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की दो दशक पुरानी मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को एक नई योजना तमिलनाडु सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की, जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के लाभ प्रदान करेगी।

सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा।

इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी।

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

-ललित गर्ग

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था। सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में

सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की ह्यरूटीनह्व कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं।

इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निमार्णों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए। मुख्य पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण हो, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट तय हो कि किस स्तर का अधिकारी किस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार होगा। जवाबदेही केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को वास्तविक दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। इंदौर की घटना केवल शोक व्यक्त करने का विषय नहीं है, यह व्यवस्था परिवर्तन की पुकार है। यदि इसे भी एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा कहकर भुला दिया गया, तो कल किसी और शहर में, किसी और गली में, कोई और परिवार इसी पीड़ा से गुजरेगा। जनता को अब नारों, पुरस्कारों और रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे सवाल पूछने होंगे, जवाब मांगने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वच्छ भारत केवल झाड़ू और प्रचार से नहीं, बल्कि जवाबदेही, ईमानदारी और संवेदनशील प्रशासन से बने। यदि इंदौर की पंद्रह मौतें भी व्यवस्था की नींद नहीं तोड़ सकीं, तो यह मानना पड़ेगा कि गंदगी केवल पानी की पाइपलाइन में नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नसों में बह रही है।

विकसित भारत 2047 और दूषित बुनियादी सुविधाएँ

वैश्विक स्तरपर विजन 2047 के तहत भारत स्वयं को एक विकसित राष्ट्र और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।बुनियादी ढांचे,डिजिटल गवर्नेंस, स्मार्ट सिटी, हाईवे, मेट्रो औद्योगिक गलियारों और वैश्विक निवेश के आंकड़े इस प्रगति का दावा करते हैं। किंतु इसी आधुनिक भारत में यदि नागरिक दूषित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में अपनी जान गंवा दें, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राज्य की नैतिक, संवैधानिक और मानवीय विफलता बन जाती है।1 जनवरी 2026 को इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों ने इसी विरोधाभास को उजागर कर दिया है,जहाँ एक ओर वर्ल्ड क्लास इंडिया की आकांक्षा है, वहीं दूसरी ओर नागरिक जीवन की बुनियादी सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं हो पा रही। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,स्वच्छ पेयजल का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। दूषित पानी से हुई मौतें सीधे-सीधे इस अधिकार का हनन हैं।जब भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की बात करता है, तब ऐसी घटनाएँ यह प्रश्न उठाती हैं कि क्या विकास मानवाधिकारों की रक्षा के बिना संभव है?हाईकोर्ट और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का संज्ञान यह स्पष्ट करता है कि यह मामला केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि संवैधानिक और मानवाधिकार उल्लंघन का है।न्यायपालिका की सक्रियता यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि राज्य अपने कर्तव्यों से पलायन न करे और नागरिकों के जीवन की कीमत राजनीतिक सुविधा के अनुसार न तय की जाए।

साथियों बात अगर हम इंदौर में हुई त्रासदी को समझने की करें तो, जो शहर लगातार कई वर्षों से राष्ट्रीयस्वच्छता सर्वेक्षण में देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित होता रहा है, वहां नववर्ष के पहले ही दिन दूषित पेयजल से मौतों की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया।यह घटना इसलिए और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि इंदौर को अक्सर शहरी प्रबंधन, नगर निकाय दक्षता और जनभागीदारी का आदर्श मॉडल बताया जाता रहा है।यदि ऐसा शहर भी अपने नागरिकों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में विफल हो जाए,तो यह प्रश्न केवल इंदौर का नहीं, बल्कि पूरे शहरी भारत की जल सुरक्षा रणनीति पर खड़ा होता है।घटना का केंद्र इंदौर का भागीरथपुरा क्षेत्र है, जहाँ पुलिस चौकी के शौचालय के ठीक नीचे से गुजर रही नर्मदा की मुख्य जल आपूर्ति पाइपलाइन में गंभीर रिसाव पाया गया। इस रिसाव के कारण सीवेज का गंदा पानी सीधे पेयजल लाइन में मिल गया और पूरे वार्ड में दूषित पानी की आपूर्ति होती रही।यह केवल एक तकनीकी खराबी नहीं थी,बल्कि प्रणालीगत लापरवाही का परिणाम भी होने की संभावना है।मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार,स्थानीय नागरिकों द्वारा सैकड़ों बार पार्षद को शिकायतें की गईं, नगर निगम की 311 ऐप पर भी बार-बार शिकायत दर्ज कराई गई, परंतु हर बार केवल आश्वासन मिला, समाधान नहीं। यह स्थिति बताती है कि डिजिटल शिकायत तंत्र तब तक अर्थहीन है,जब तक उस पर संवेदनशील और समयबद्ध कार्रवाई न हो। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि दूषित पानी पीने से ही लोग बीमार पड़े और उनकी मृत्यु हुई। वहीं कलेक्टर स्तरपर यह कहा गया कि डिटेल्ड रिपोर्ट और कल्चर टेस्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।यह प्रशासनिक भाषा एक परिचित पैटर्न को दशार्ती है,पहले टालना, फिर जांच, फिर जिम्मेदारी तय करने में विलंब। जबकि वास्तविकता यह है कि जब सैकड़ों लोग अस्पतालों में भर्ती हों, 16 बच्चे प्रभावित हों और मौतों की संख्या बढ़ रही हो, तब प्रशासनिक सतर्कता नहीं बल्कि आपातकालीन जवाबदेही अपेक्षित होती है।

साथियों बात अगर हम मौतों के आंकड़ों पर विवादः सत्य बनाम आधिकारिक संस्करण इसको समझने की करें तो, इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू मौतों कीसंख्या को लेकर सामने आया विरोधाभास है।हाईकोर्ट में सरकार की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट में अब तक केवल 4 मौतों की बात कही गई,जबकि मीडिया से ऐसी खबरें आ रही है कि जमीनी रिपोर्ट, मीडिया और अस्पतालों के आंकड़ों के अनुसार 15 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि राज्य की पारदर्शिता और नैतिक साहस का प्रश्न है। लोकतंत्र में जब सरकारें मौतों को कम करके दिखाने लगें, तो यह पीड़ितों के प्रति दूसरा अन्याय बन जाता है। न्यायपालिका और मानवाधिकार आयोग की भूमिका इस मामले में हाईकोर्ट द्वारा जनहित याचिका पर संज्ञान लेना और अगली सुनवाई की तिथि तय करना न्यायिक सक्रियता का संकेत है। वहीं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर मुख्य सचिव को नोटिस जारी करना इस बात की पुष्टि करता है कि यह मामला केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि मानवाधिकार उल्लंघन का भी है।

साथियों बात अगर हम इस त्रासदी को संवैधानिक रूप से समझने की करें तो, भारत का संविधान नागरिकों को केवल शासन की संरचना नहीं देता, बल्कि उन्हेंसम्मानपूर्ण सुरक्षित और गरिमामय जीवन का वचन देता है। अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार केवल सांस लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें स्वच्छ जल, स्वच्छ पर्यावरण और स्वास्थ्य का अधिकार भी निहित है। इंदौर में दूषित पेयजल से हुई मौतें इस संवैधानिक वचन के टूटने का प्रतीक हैं। यह घटना केवल एक नगर निगम या राज्य सरकार की विफलता नहीं, बल्कि राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी के उल्लंघन का गंभीर मामला है।स्वच्छ पेयजलःमूल अधिकार का अविभाज्य हिस्सा भारतीय न्यायपालिका ने समय- समय पर स्पष्ट किया है कि स्वच्छ जल का अधिकार, अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार का अनिवार्य अंग है। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों में यह स्थापित किया गया है कि यदि राज्य नागरिकों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में असफल रहता है, तो वह संवैधानिक कर्तव्यहीनता का दोषी है।इंदौर की घटना में, जहाँ सीवेज का पानी पेयजल आपूर्ति में मिला और प्रशासन शिकायतों के बावजूद निष्क्रिय रहा,वहाँ यह तर्क और भी सशक्त हो जाता है कि राज्य ने अपने संवैधानिक दायित्व का पालन नहीं किया।अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघनः समानता और जीवन पर भी आघात की ओर इशारा करता है

साथियों बात अगर हम राजनीतिक प्रतिक्रियाएँः संवेदना,आरोप और नैतिक परीक्षा इसको समझने की करें तो पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इसे मुख्यमंत्री के लिए परीक्षा की घड़ी बताना और घोर प्रायश्चित की बात कहना इस घटना की नैतिक गंभीरता को रेखांकित करता है।वहीं लोकसभा में विपक्षी नेता द्वारा यह कहना कि साफ पानी अहसान नहीं, जीवन का अधिकार है, लोकतांत्रिक विमर्श को संवैधानिक धरातल पर लाता है।हालांकि,राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से परे यह प्रश्न अधिक गहरा है,क्या शासन व्यवस्था नागरिक जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता मान रही है, या केवल राजनीतिक प्रबंधन तक सीमित है?

साथियों बात अगर हम दूषित पानी और घातक बैक्टीरिया एक वैज्ञानिक चेतावनी को समझने की करें तो, विशेषज्ञों के अनुसार, सीवेज मिला पानी केवल गंदा नहीं बल्कि अत्यंत विषैला होता है। इसमें हैजा जैसे घातक बैक्टीरिया, मल-मूत्र से उत्पन्न रोगाणु, साबुन, डिटर्जेंट, केमिकल और कभी-कभी औद्योगिक अपशिष्ट भी शामिल होता है।जब यह मिश्रण पेयजल आपूर्ति में प्रवेश करता है, तो यह एक मौन जैविक हथियार बन जाता है, जिसका प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों पर सबसे अधिक पड़ता है।

साथियों बात अगर हम वॉटर विजन 2047ः नीति और जमीनी हकीकत का अंतर को समझने की करें तो, हाल ही में भोपाल में आयोजित वॉटर विजन 2047 सम्मेलन में प्रधानमंत्री के 5 पी मॉडल,राजनीतिक इच्छाशक्ति, लोक वित्त, साझेदारी, जन भागीदारी और सतत प्रेरणा पर विस्तृत चर्चा हुई थीं।जल सुरक्षा के लिए रोडमैप तैयार करने की बातें हुईं थीं,परंतु इंदौर जैसी घटना यह दशार्ती है कि नीतिगत विमर्श और जमीनी क्रियान्वयन के बीच अभी भी गहरी खाई है। जब तक पाइपलाइन स्तर पर निगरानी, जवाबदेही और त्वरित सुधार तंत्र विकसित नहीं होंगे, तब तक वॉटर विजन केवल दस्तावेजों में सिमटा रहेगा। साथियों बात कर हमअंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यः विकसित देशों से भारत क्या सीख सकता है इसको समझने की करें तो, यूरोप, जापान और सिंगापुर जैसे देशों में पेयजल आपूर्ति को क्रिटिकल नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर माना जाता है। वहां जल आपूर्ति लाइनों की नियमित ऑडिट, सेंसर आधारित निगरानी, और किसी भी रिसाव पर त्वरित अलर्ट सिस्टम लागू हैं।भारत यदि 2047 तक वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखता है, तो उसे यह समझना होगा कि आर्थिक शक्ति का मूल्य तभी है जब नागरिक सुरक्षित स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

साथियों बात अगर हम मीडिया, अभिव्यक्ति और सत्ता का व्यवहार इसको समझने की करें तो, इस प्रकरण में एक इंटरविनर द्वारा मीडिया पब्लिकेशन पर रोक की मांग और एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सवालों पर असभ्य भाषा का प्रयोग करना लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए चिंताजनक संकेत हैं।सत्ता की परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह संकट के समय सवालों से डरती है या उनसे सीखती है। मीडिया पर अंकुश लगाने की सोच समस्या के समाधान के बजाय उसे दबाने की प्रवृत्ति को दशार्ती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विकसित भारत का अर्थ केवल जीडीपी नहीं हैं, इंदौर की जल त्रासदी हमें यह याद दिलाती है कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक आंकड़ों, रैंकिंग और घोषणाओं से पूरा नहीं होता। उसका असली पैमाना यह है कि क्या हर नागरिक सुरक्षित पानी पी सकता है, बिना डर के जी सकता है, और राज्य पर भरोसा कर सकता है।यदि 2047 तक भारत को सचमुच विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसे बुनियादी सुविधाओं को नीतिगत प्राथमिकता नहीं बल्कि नैतिक दायित्व मानना होगा। अन्यथा, ऐसी घटनाएँ न केवल जानें लेंगी, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को भी घायल करती रहेंगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

धर्म का स्वरूप: सेवा या स्वार्थ

-प्रियंका सौरभ

भारत को सदियों से धर्म, आस्था और आध्यात्म की भूमि माना जाता रहा है। यहाँ धर्म केवल पूजा-पाठ या कर्मकांड तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जीवन के हर पक्ष को दिशा देने वाला तत्व रहा है। आस्था ने व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में संबल दिया, उसे नैतिकता और मानवता से जोड़े रखा। किंतु बदलते समय के साथ यह देखा जा रहा है कि आस्था का स्वरूप धीरे-धीरे विकृत होता जा रहा है। धर्म, जो आत्मिक शांति का माध्यम था, कई स्थानों पर भय, अंधविश्वास और व्यापार का साधन बनता जा रहा है।

आज का यथार्थ यह है कि धार्मिक परंपराओं का एक बड़ा हिस्सा अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका है। जिन कर्मकांडों का उद्देश्य मनुष्य को आत्मिक संतुलन देना था, वे अब आर्थिक लेन-देन और दिखावे से जुड़ गए हैं। तीर्थस्थल, जो कभी तप, त्याग और साधना के केंद्र हुआ करते थे, आज कई बार बाजार का रूप धारण कर चुके हैं। श्रद्धालु की भावना से अधिक उसकी आर्थिक स्थिति को महत्व दिया जाने लगा है।

आस्था का मूल आधार विश्वास है—ईश्वर में, जीवन में और स्वयं में। यह विश्वास किसी डर या लालच से नहीं, बल्कि आंतरिक संतोष से उपजता है। जब आस्था भय पर आधारित हो जाती है, तब वह पाखंड में बदल जाती है। दुर्भाग्यवश, आज अनेक धार्मिक गतिविधियाँ इसी भय को केंद्र में रखकर संचालित की जा रही हैं। लोगों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि उन्होंने किसी विशेष परंपरा का पालन नहीं किया या तय राशि का दान नहीं दिया, तो अनिष्ट हो जाएगा। इस प्रकार धर्म, जो आश्वासन देने वाला था, भय पैदा करने वाला बनता जा रहा है।

परंपराएँ किसी भी समाज की पहचान होती हैं। वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी अनुभव और ज्ञान के माध्यम से विकसित होती हैं। लेकिन परंपराएँ तब तक ही उपयोगी हैं, जब तक वे समय, विवेक और मानवता के अनुरूप हों। परंपराओं को पत्थर की लकीर मान लेना समाज के विकास में बाधा बनता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम परंपराओं की समीक्षा करें—यह समझें कि उनका उद्देश्य क्या है और वे वर्तमान समय में कितनी प्रासंगिक हैं। धर्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष सेवा रहा है। सेवा का अर्थ है—निस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता करना। किंतु जब सेवा के बदले मूल्य तय कर दिया जाए, तब उसका स्वरूप बदल जाता है। दान तभी दान कहलाता है जब वह स्वेच्छा से दिया जाए। जब दान दबाव, भय या सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण दिया जाता है, तब वह अपनी पवित्रता खो देता है। दुर्भाग्य से, आज दान भी कई जगह अनिवार्य शुल्क की तरह वसूला जाने लगा है।

इस स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव साधारण और भावनात्मक लोगों पर पड़ता है। दुख, शोक या संकट की घड़ी में व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर होता है। ऐसे समय में यदि उसकी आस्था का शोषण किया जाए, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि अमानवीय भी है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को टूटने से बचाना है, न कि उसे और अधिक बोझिल बनाना। पाखंड का सबसे बड़ा खतरा यह है कि वह धीरे-धीरे धर्म के प्रति अविश्वास को जन्म देता है। जब लोग बार-बार ठगे जाते हैं, उनकी भावनाओं का दोहन होता है, तो वे या तो धर्म से दूर हो जाते हैं या फिर हर परंपरा को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। यह स्थिति समाज के लिए घातक है, क्योंकि धर्म का स्वस्थ स्वरूप सामाजिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज के शिक्षित और जागरूक समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति हर बात को तर्क और विवेक की कसौटी पर परखे। आस्था और विवेक एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सच्ची आस्था वही है जो विवेक के साथ चल सके। यदि कोई परंपरा मानवता, नैतिकता और करुणा के विरुद्ध जाती है, तो उसे बदलना ही धर्मसम्मत कदम माना जाना चाहिए।

धार्मिक संस्थानों और धर्म से जुड़े लोगों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें यह समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी केवल कर्मकांड करवाना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है। यदि धार्मिक नेतृत्व स्वयं लालच और स्वार्थ से प्रेरित होगा, तो आमजन से नैतिकता की अपेक्षा करना व्यर्थ है। धर्म को व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनाना समय की माँग है।

इसके साथ ही समाज की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जब तक लोग स्वयं जागरूक नहीं होंगे, तब तक पाखंड समाप्त नहीं होगा। प्रश्न करना अधर्म नहीं है। हर परंपरा का उद्देश्य समझना और उस पर विचार करना बौद्धिक परिपक्वता का संकेत है। आँख मूँदकर हर बात मान लेना न तो आस्था है और न ही धर्म।

मीडिया और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी इस संदर्भ में अहम है। यदि धार्मिक मुद्दों पर संतुलित, तार्किक और संवेदनशील चर्चा होगी, तो समाज में जागरूकता बढ़ेगी। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिक तैयार करना भी है—ऐसे नागरिक जो आस्था और अंधविश्वास में अंतर समझ सकें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम धर्म को उसके मूल स्वरूप में लौटाने का प्रयास करें। ऐसा धर्म, जो भय नहीं, बल्कि शांति दे; जो शोषण नहीं, बल्कि संरक्षण करे; और जो विभाजन नहीं, बल्कि एकता का संदेश दे। आस्था को आत्मा की शक्ति बनाना होगा, न कि किसी के स्वार्थ का साधन। अंततः यह स्पष्ट है कि धर्म का भविष्य परंपराओं से अधिक हमारी सोच पर निर्भर करता है। यदि हम विवेक, करुणा और आत्मसम्मान को आस्था का आधार बनाएँ, तो पाखंड अपने आप समाप्त होने लगेगा। सच्चा धर्म वही है जो मनुष्य को बेहतर इंसान बनाए। आज के समय में यही सबसे बड़ी आवश्यकता और सबसे बड़ा धर्म है।

स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से 15 मौतें

(पवन वर्मा-विनायक फीचर्स)

इंदौर में 15 लोगों की मौत किसी दुर्घटना या कोरोना महामारी की तरह नहीं हुई। ये मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनियों के बीच आईं और उस चुप्पी की कोख से पैदा हुईं, जिसमें लोगों की शिकायतें दफन कर दी गईं। जिन नलों से हर सुबह जीवन बहना चाहिए था, उन्हीं नलों से जहर आता रहा। लोगों ने बदबूदार और गंदे पानी की शिकायतें की, बीमारी की आशंका जताई, लेकिन नगर निगम ने सुनने के बजाय दबाना चुना। यही वह क्षण था, जब प्रशासनिक लापरवाही, प्रशासनिक विश्वासघात में बदल गई।

यह त्रासदी इसलिए ज्यादा पीड़ादायक है क्योंकि इसे रोका जा सकता था। अगर शिकायतों को गंभीरता से लिया गया होता, अगर चेतावनी को परेशानी नहीं बल्कि खतरे का संकेत समझा गया होता, तो 15 घरों में आज सन्नाटा नहीं होता। ये मौतें और आज की तारीख में एक हजार से ज्यादा लोगों का बीमार होना सिर्फ व्यवस्था की विफलता नहीं हैं, बल्कि उस भरोसे का टूटना हैं, जो आम नागरिक अपने प्रशासन पर करता है। जब जनता चेतावनी देती है और व्यवस्था चुप्पी ओढ़ लेती है, तब जिम्मेदारी टलती नहीं, बल्कि जानलेवा बन जाती है। इंदौर की यह घटना स्वच्छता के उन तमाम दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती है, जिनमें चमक तो बहुत है, लेकिन संवेदना नहीं।

मेरा आज का ये लिखना भी उसी मूल सवाल से शुरू होता है, अगर पानी दूषित था और शिकायतें पहले से मौजूद थीं, तो फिर इस प्रशासनिक विश्वासघात की कीमत आम लोगों को अपनी जान देकर क्यों चुकानी पड़ी? यह तथ्य अब सामने है कि दूषित पानी की आपूर्ति को लेकर स्थानीय लोगों ने बार-बार नगर निगम से शिकायतें की थीं। बदबू, रंग बदलने और बीमारी फैलने की आशंका तक जाहिर की गई थी। इसके बावजूद इन शिकायतों को न तो गंभीरता से लिया गया और न ही सार्वजनिक चेतावनी जारी की गई। उलटे, इन्हें दबाने का प्रयास किया गया, ताकि शहर की स्वच्छ छवि पर सवाल न उठे। यही वह बिंदु है, जहां यह मामला सामान्य प्रशासनिक चूक से आगे निकलकर संस्थागत संवेदनहीनता का रूप ले लेता है।

इस घटना ने यह भी कड़वा सच स्पष्ट कर दिया कि नगर निगम प्रशासन, जिला प्रशासन और अन्य सरकारी दफ्तरों में आमजन की शिकायतों और आवेदनों को किस दृष्टि से देखा जाता है। शिकायतें समाधान की मांग नहीं, बल्कि फाइलों का बोझ मान ली जाती हैं। नागरिक की आवाज को सिस्टम की असुविधा समझा जाता है। इंदौर की यह त्रासदी बताती है कि यह सोच केवल प्रशासनिक अहंकार नहीं, बल्कि जानलेवा मानसिकता बन चुकी है।

स्वच्छता के राष्ट्रीय पुरस्कारों और रैंकिंग ने इंदौर को पहचान

स्वच्छता के राष्ट्रीय पुरस्कारों और रैंकिंग ने इंदौर को पहचान जरूर दी, लेकिन उसी पहचान ने प्रशासन को आत्ममुग्ध भी कर दिया। स्वच्छता को निरंतर जांच की प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्थायी उपलब्धि मान लिया गया। यही भ्रम सबसे घातक साबित हुआ। जब किसी शहर को आदर्श मान लिया जाता है, तब उसकी खामियों पर सवाल उठाने वालों को या तो अनदेखा किया जाता है या खामोश कर दिया जाता है। इंदौर में शिकायतों के साथ यही हुआ। पानी एक दिन में जहरीला नहीं होता। यह धीरे-धीरे खराब होता है और अपनी मौजूदगी का संकेत देता रहता है। जब लोग लगातार शिकायत कर रहे हों, तो वह सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि चेतावनी होती है। इंदौर में यह चेतावनी बार-बार दी गई, लेकिन प्रशासन ने उसे स्वीकार करने के बजाय दबाने का रास्ता चुना। यहीं से यह त्रासदी टालने योग्य नहीं रही।

जरूर दी, लेकिन उसी पहचान ने प्रशासन को आत्ममुग्ध भी कर दिया। स्वच्छता को निरंतर जांच की प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्थायी उपलब्धि मान लिया गया। यही भ्रम सबसे घातक साबित हुआ। जब किसी शहर को आदर्श मान लिया जाता है, तब उसकी खामियों पर सवाल उठाने वालों को या तो अनदेखा किया जाता है या खामोश कर दिया जाता है। इंदौर में शिकायतों के साथ यही हुआ। पानी एक दिन में जहरीला नहीं होता। यह धीरे-धीरे खराब होता है और अपनी मौजूदगी का संकेत देता रहता है। जब लोग लगातार शिकायत कर रहे हों, तो वह सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि चेतावनी होती है। इंदौर में यह चेतावनी बार-बार दी गई, लेकिन प्रशासन ने उसे स्वीकार करने के बजाय दबाने का रास्ता चुना। यहीं से यह त्रासदी टालने योग्य नहीं रही।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद सरकार ने इसे गंभीरता के साथ लेते हुए इसे सबक के रूप में स्वीकार किया है। इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को पद से हटाया गया है। अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पिछले 13 वर्षों से शहर की जल वितरण व्यवस्था संभाल रहे प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई यह संदेश जरूर देती है कि जवाबदेही तय करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यह भी सच है कि यह कदम मौतों के बाद उठाया गया, शिकायतों के समय नहीं। वैसे अब सरकार ने इस घटना को केवल इंदौर तक सीमित न मानते हुए पूरे प्रदेश के लिए चेतावनी के रूप में लिया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने मध्यप्रदेश के सभी 16 नगर निगमों सहित 413 नगरीय निकायों को निर्देश दिए हैं कि सात दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों में जलापूर्ति पाइपलाइनों में रिसाव की जांच करें और पानी की शुद्धता की जांच कराएं। यह निर्देश अपने-आप में स्वीकारोक्ति है कि समस्या प्रणालीगत है और किसी एक शहर तक सीमित नहीं। इस मामले ने राजनीतिक माहौल को भी गर्म कर दिया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इंदौर में लोगों को पानी नहीं, जहर पिलाया गया और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। बयान राजनीतिक हो सकता है, लेकिन जिस सवाल को वह उठाता है, वह जनता के भरोसे से जुड़ा है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मामला अब न्यायिक दायरे में भी पहुंच चुका है। इंदौर हाईकोर्ट में इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जनहित याचिका दायर की गई है, जिसे इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश ईनाणी ने प्रस्तुत किया है। अदालत की निगरानी से उम्मीद जगी है कि यह मामला केवल निलंबन और स्थानांतरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिकायतें दबाने की जिम्मेदारी भी तय होगी। असल सवाल अब यह नहीं है कि किसे हटाया गया और किसे निलंबित किया गया। असली सवाल यह है कि शिकायतों को दबाने की मानसिकता कैसे बनी और उसे संरक्षण किस स्तर पर मिला। जब तक इस सोच पर सीधा प्रहार नहीं होगा, तब तक हर कार्रवाई अधूरी ही मानी जाएगी। इंदौर की यह त्रासदी एक कड़ी चेतावनी है। स्वच्छता का अर्थ सिर्फ साफ दिखना नहीं, बल्कि सुरक्षित होना है। जब व्यवस्था आमजन की आवाज को बाधा मानने लगे, तब खतरा केवल पानी में नहीं, पूरे सिस्टम में फैल जाता है। यदि इस घटना से अब भी यह सबक नहीं लिया गया कि शिकायतें लोकतंत्र की सबसे अहम चेतावनी होती हैं, तो अगली बार यह चेतावनी देने वाला कोई बचेगा ही नहीं और तब न जवाबदेही बचेगी, न विश्वास, बचेगें तो सिर्फ पछतावे के आंसू।

(विनायक फीचर्स)

मनमानी टिकट देने के विरोध में समशेर यादव ने दिया कांग्रेस से इस्तीफा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महापालिका चुनाव का शंखनाद हो चुका है। टिकट न पाने वाले लोगों के इस्तीफे का दौर शुरू है। उत्तर मुंबई जिला कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक क्रमांक 31 के अध्यक्ष समशेर यादव ने पार्टी पर मनमाना टिकट देने का आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी सचिव तथा मुंबई प्रभारी यूबी वेंकटेश और मुंबई अध्यक्ष सांसद वर्षा गायकवाड को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि वार्ड क्रमांक 31 उत्तर भारतीय यादव बाहुल्य क्षेत्र है। यहां काफी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग रहते हैं। परिणाम स्वरुप पिछले कई दशकों से कांग्रेस के साथ-साथ अन्य पार्टियों भी यादव समाज के ही किसी व्यक्ति को अपना प्रत्याशी बनाती रही हैं। यहां के नगरसेवक हमेशा यादव समाज से ही बनते रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि इस बार एक दिन पहले दूसरे दल से आए गैर उत्तर भारतीय व्यक्ति को टिकट दे दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। उन्होंने कांग्रेस पर टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी हालत में पार्टी में बने रहना अपमानजनक है और वे अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। कांग्रेस की मनमानी से ही तंग आकर चारकोप महिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व तालुका अध्यक्ष तथा एमआरसीसी सदस्य अनिता लक्ष्मण मधाले ने भी कांग्रेस हाई कमान को पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया है। दोनों लोगों की जनता के बीच अच्छी लोकप्रियता थी, जिसका पूरा लाभ कांग्रेस पार्टी को मिल रहा था।

गोवंडी में सावित्रीबाई फुले जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शनिवार को गोवंडी के कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड़ नगर एकात्मिक बाल विकास प्रकल्प देवनार के बीट नंबर 2 में सावित्रीबाई फुले की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन इलाके के जाने माने समाजसेवक डॉ. सरताज खान द्वारा किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी जोशी ने प्रस्तावना सादर किया। इस अवसर पर श्रीमती अनिता पडवाघी ,रोहिणी भंडारे, श्रीमती सुप्रिया राव ने अपने विचार व्यक्त किया। इस दौरान अनीता मोरे श्रीमती सोगिता अंबोरे ,श्रीमती सुमित्रा वाघमारे ,श्रीमती परिणीता रिसवडकर, रंजना सावंत,श्रीमती अर्चना दांडगे, सुश्री स्नेहा गायकवाड, श्रीमती मनीषा वाघमारे इस अवसर पर उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का आयोजन प्रकल्प अधिकारी श्री .एस. वी चांदने , मुख्य सेविका सपना भाकरे और श्रीमती मनश्री पाटिल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी विद्यार्थियों के पालक और स्थानीय रहिवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पालघर जिला परिषद में उत्साहपूर्वक मनी सावित्रीबाई फुले जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद में शनिवार 3 जनवरी 2026 को भारत की पहली महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक व स्त्री शिक्षा की अग्रदूत क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी विजय वलीकर ने सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने सावित्रीबाई फुले के सामाजिक और शैक्षणिक योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। ज्ञात हो कि सावित्रीबाई फुले ने 19वीं सदी में समाज में व्याप्त अज्ञान, अंधविश्वास और स्त्री शिक्षा पर लगे प्रतिबंधों को तोड़ते हुए बालिकाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोले। महात्मा ज्योतिबा फुले के सहयोग से उन्होंने भारत का पहला कन्या विद्यालय प्रारंभ किया। स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह, अस्पृश्यता उन्मूलन और सामाजिक समानता के लिए उनका आजीवन संघर्ष समाज के लिए आज भी प्रेरणास्रोत बना हुआ है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सावित्रीबाई फुले के विचारों और कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में शिक्षा और समानता को बढ़ावा देने का संकल्प व्यक्त किया।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अक्षय कुमार के साथ 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की दूसरी ब्रांड फिल्म को लॉन्च किया

मुंबई/पटना। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अपने आगामी बड़े शो, 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के लिए दूसरी ब्रांड फिल्म जारी कर दी है, जिसमें अक्षय कुमार नजर आ रहे हैं। पहली कैंपेन फिल्म के सुर को बरकरार रखते हुए, यह नई फिल्म एक बार फिर अक्षय कुमार के सिग्नेचर ह्यूमर और उनके सहज कॉमिक टाइमिंग को प्रदर्शित करती है।

सिचुएशनल कॉमेडी पर आधारित यह ब्रांड फिल्म अक्षय कुमार की मास अपील को सामने लाती है और ऐसा मनोरंजन प्रदान करती है जिसे पूरा परिवार एक साथ देख सके। क्रिएटिव एप्रोच पर टिप्पणी करते हुए विकास बहल, जिन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस 'गुड कंपनी' के तहत इन विज्ञापनों की कल्पना, निर्देशन और निर्माण किया है, ने कहा, हमारा आइडिया इस शो को भारतीय दर्शकों से परिचित कराना था, जबकि इसके मूल स्वभाव यानी खेल-कूद और चुलबुलेपन को बनाए रखना था।

दांडेकर महाविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष आवासीय शिविर उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित विशेष आवासीय शिविर दिनांक 24 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 तक तांदूलवाड़ीझउचावली स्थित नाईक फाउंडेशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का उद्देश्य स्वयंविकास, समाजसेवा एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

शिविर के पहले दिन स्वयंसेवकों ने परिसर स्वच्छता अभियान चलाया। 25 दिसंबर को योग सत्र के साथ दिन की शुरूआत हुई। योग प्रशिक्षण प्रा. सुरेश हसबे, प्रा. योगेश आक्रेकर एवं महेश राऊत ने दिया। इसके पश्चात ह्लअवयव दान झ समय की आवश्यकताह्न विषय पर मोहन फाउंडेशन के निखिल नगरकर एवं प्रचिती माली ने मार्गदर्शन किया और अवयव दान से जुड़े भ्रम दूर किए। साथ ही पूर्व कार्यक्रम अधिकारी सचिन उराडे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, नेतृत्व गुण, संवाद कौशल, स्पर्धा परीक्षाएं तथा नीति आयोग पर प्रेरक मार्गदर्शन किया। 26 दिसंबर को उचावली गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके बाद नागरी संरक्षण दल, पालघर निलेश वझे ने आपदा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देकर प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं से निपटने के उपाय सरल भाषा में समझाए। 27 दिसंबर को उचावली गांव में दो वनराई बंधारे (जल

संरक्षण संरचनाएं) बनाये गये। सुबह के सत्र में वसई स्थित गोन्सालो गार्सिया महाविद्यालय के प्रा. जगदीश संसारे ने पथनाट्य प्रस्तुति पर मार्गदर्शन किया। दोपहर में नाईक फाउंडेशन परिसर की स्वच्छता एवं रंगरोगन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे, कोषाध्यक्ष मंगेश पंडित, सचिव सुधीर कुलकर्णी, सांस्कृतिक समिति कार्याध्यक्ष सुधीर दांडेकर, अमिताताई राऊत, सुरेश जोशी, प्राचार्य डॉ. किरण सावे, प्रा. विवेक कडू सहित मेघा कोरे, शैला कुलकर्णी, अस्मिता पंडित, नेत्रा सावे एवं समिधा कडू ने शिविर को भेट दी। प्राचार्य डॉ. किरण सावे ने विद्यार्थियों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया, वहीं सांस्कृतिक समिति कार्याध्यक्ष सुधीर दांडेकर ने व्यक्तित्व विकास में वाचन के महत्व पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे ने आत्मविश्वास के महत्व को रेखांकित किया। 28 दिसंबर को तांदूलवाड़ी किले पर स्वच्छता अभियान चलाकर प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। 29 दिसंबर को ग्राम पंचायत परिसर एवं विद्यालय के सामने का क्षेत्र स्वच्छ किया गया। नेत्रदान विषय पर पथनाट्य प्रस्तुत किया गया तथा ह्लयुवा और स्वामी विवेकानंदह्न विषय पर प्रशांत पाटील ने मार्गदर्शन किया। 30 दिसंबर को शिविर का समापन हुआ। समापन अवसर पर प्रा. विवेक कडू की ओर से कु. रक्षाली धोंडे एवं कु. सार्थक रोकडे को उत्कृष्ट स्वयंसेवक पुरस्कार प्रदान किये गये। नितेश पागे, सचिन दिंडा एवं अमोल ठाकूर के सहयोग से शिविर सफल रहा। प्राचार्य डॉ. किरण सावे, उपप्राचार्य डॉ. तानाजी पोल एवं डॉ. महेश देशमुख ने मार्गदर्शन किया। शिविर का आयोजन डॉ. अरुंधती बर्डे, डॉ. राजू तांडेल, डॉ. संगीता ठाकूर, डॉ. प्रकाश घरत, प्रा. नेहा उराडे एवं प्रा. ध्रुविका सावे ने किया।

मुंबई प्रवास के दौरान भाजपा विधायक कुलदीप धनकड़ का स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विराट नगर, जयपुर से भाजपा विधायक कुलदीप धनकड़ के मुंबई प्रवास के दौरान सांचौर के विधायक जीवाराम चौधरी के भाई नरेंद्र चौधरी के कार्यालय में उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजनों ने विधायक कुलदीप धनकड़ का गुलदस्ता भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। स्वागत करने वालों में गोवा राम चौधरी, थाना राम चौधरी, लखमा जैन, प्रभु राम चौधरी, किशोर भाई, वागरम सुथार, कुलदीप भाई चौधरी तथा मधु पुरोहित प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर चर्चा भी की गई।

गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा भिवंडी में भव्य कलश यात्रा भक्तिमय हुआ क्षेत्र, आज होगा 9 कुंडीय महायज्ञ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार ट्रस्ट, भिवंडी की ओर से 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन आगामी 4 जनवरी को किया जा रहा है। इस महायज्ञ के पूर्व मंगलवार को भिवंडी में श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा की शुरूआत शिव मंदिर, मीटपाडा से हुई। यात्रा नदी घाट होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई लतीफ कंपाउंड स्थित यज्ञ स्थल तक पहुँची। सिर पर कलश धारण किए श्रद्धालु महिलाओं की लंबी कतारों से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक वातावरण से गूंज उठा। गायत्री माता की जय,

युग निर्माण का संदेश जैसे जयघोषों से वातावरण भक्तिमय बन गया। कलश यात्रा के समापन के पश्चात यज्ञ स्थल पर प्रवचन, भजन-कीर्तन एवं दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। प्रवचनों में वक्ताओं ने गायत्री मंत्र की महिमा, यज्ञ के आध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्व तथा मानव जीवन में संस्कारों की भूमिका पर प्रकाश डाला। दीप महायज्ञ के दौरान प्रज्वलित दीपों ने वातावरण को और अधिक दिव्य बना दिया। गायत्री परिवार के कार्यकताओं ने बताया कि 4 जनवरी को होने वाला 9 कुंडीय महायज्ञ समाज में शांति, सद्भावना, नैतिक मूल्यों के संवर्धन एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ संपन्न किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता अपेक्षित है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री परिवार के दिनकर महाराज, पी. डी. यादव, रामसिंह यादव, जितेन्द्र मौर्या, संजय चौबे, हरेन्द्र शाह, सुनील पुष्पांकर, सचिन ठाकुर, सचिन बेदरकर, सुनील शुक्ला, परशुराम शर्मा, दूधनाथ यादव, पवन गुप्ता, विनय सिंह, बुद्धीसागर दुबे, विंध्यवासिनी गुप्ता, रामेश्वर विश्वकर्मा, पप्पू गुप्ता सहित संपूर्ण टीम का अथक परिश्रम सराहनीय रहा। गायत्री परिवार ट्रस्ट की ओर से भिवंडीवासियों से इस महायज्ञ में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की गयी है।

शिवसेना के आधारहीन आरोपों से मैं घबड़ाने वाला नहीं : नवीन सिंह

भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा वार्ड क्रमांक 16 में तेजतर्रार और डैशिंग प्रत्याशी के रूप में समाजसेवी नवीन सिंह को मैदान में उतारा है। शिवसेना ने यहां से जिलाध्यक्ष राजू भोईर को मैदान में उतारा है। नवीन सिंह ने जिस तेजी के साथ जनसंपर्क शुरू किया है तथा जनता का खुलकर समर्थन मिल रहा है, उसे देखते हुए शिवसेना घबड़ाई हुई है। यही कारण है कि रेप के एक पुराने मामले द्वारा नवीन सिंह को घेरने की कोशिश की जा रही है। नवीन सिंह का साफ कहना है कि वे पूरी तरह से बेदाग है। अगर उनके खिलाफ इस तरह का मामला होता तो क्या पार्टी उन्हें टिकट देती? उन्होंने कहा कि वे घबडाने वाले नहीं है। शिवसेना द्वारा

जिस मामले को लेकर उन्हें घेरने की कोशिश की जा रही है, वह पूरी तरह से निराधार है। उनके खिलाफ शिकायत जरूर दर्ज हुई थी, परंतु पुलिस तहकीकात में शिकायतकर्ता लड़की ने माना था कि राजनीतिक दुश्मनी के चलते कुछ लोगों के बहकावे पर उसने झूठा आरोप लगाया था। यही कारण है कि पुलिस ने उन्हें निर्दोष छोड़ दिया और मामला अदालत में भी नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि वार्ड की पूरी जनता उनके साथ है। वे शिवसेना प्रत्याशी की जमानत जप्त करके ही दम लेंगे। नवीन सिंह ने कहा कि अपनी शर्मनाक पराजय को देखते हुए शिवसेना इस तरह से निराधार आरोपों का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं की ताकत पर शानदार जीत के बाद वे वार्ड की चार प्रमुख समस्याओं का स्थाई समाधान करेंगे। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा के अनुसार वे इस मामले में नवीन सिंह के साथ खड़े रहे। पुलिस ने पूरी तहकीकात के बाद सच्चाई जानकर उन्हें छोड़ दिया। नवीन सिंह के खिलाफ कोई मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि विधायक नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में भाजपा यहां से शानदार जीत हासिल करने जा रही है।

थैलेसीमिया मरीजों को मिलेगी बेहतर चिकित्सा सुविधा

◆रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के सहयोग से कांता हॉस्पिटल में थैलेसीमिया वार्ड का भव्य उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा पालघर स्थित महाराष्ट्र ब्लड बैंक के अंतर्गत कांता हॉस्पिटल में नवनिर्मित एवं उन्नत थैलेसीमिया वार्ड का उद्घाटन समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2025-26 रोटेरियन राजन दुआ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुमितोमो केमिकल इंडिया लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट योशिहिसा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में वी. एस. राजू, आशीष लाडू तथा पालघर जिला के सिविल सर्जन डॉ. रामदास मरद की गरिमामयी उपस्थिति रही।

थैलेसीमिया वार्ड का कायाकल्प सुमितोमो केमिकल इंडिया लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से संभव हो सका है, जिससे थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों को अब बेहतर उपचार, सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोटेरियन राजन दुआ ने कहा कि थैलेसीमिया जैसी गंभीर और आजीवन चलने वाली बीमारी से लड़ने के लिए समाज को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने सुमितोमो केमिकल इंडिया लिमिटेड के सहयोग की सराहना करते हुए इसे समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। सिविल सर्जन डॉ. रामदास मरद, डॉ. पराग कुलकर्णी तथा डॉ. राजेन्द्र चव्हाण ने थैलेसीमिया रोग के कारणों, लक्षणों और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जिसमें शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मरीजों में थकान, कमजोरी और शारीरिक विकास में कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। थैलेसीमिया वार्ड की संरचना एवं उन्नयन की योजना डॉ. पराग कुलकर्णी और रोटरी क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट राकेश मिश्रा ने तैयार की। कार्यक्रम को सफल बनाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन राकेश मिश्रा ने किया। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल के हाथों सभी गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। समारोह में अल्पाहार की समुचित व्यवस्था भी की गई थी। संपूर्ण प्रोजेक्ट में सुमितोमो केमिकल के नितिन पाटील तथा महाराष्ट्र ब्लड बैंक की तेजल पाटील का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर से प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट विनायक पदमवार, राकेश मिश्रा, डॉ. पराग कुलकर्णी, विलास शाहापुरे, रमेश मित्तल, वैशाली शिंदे, रो. स्मिता जाधव एवं डॉ. प्रवीणचंद्र वैश्य उपस्थित थे। वहीं पालघर क्लब से रोटेरियन भगवान पाटील, प्रशांत पाटील, मिलिंद उल्कंडे, अमित पाटील, क्लब प्रेसिडेंट संजय महाजन, रो. अमित राज पुरोहित तथा उमरोली क्लब से प्रेसिडेंट सागर घरत, वाइस प्रेसिडेंट प्रभाकर पाटील एवं रो. मीना वाणी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समारोह के अंत में कांता हॉस्पिटल के संचालक डॉ. राजेन्द्र चव्हाण ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए थैलेसीमिया मरीजों के शीघ्र स्वस्थ रहने की कामना की तथा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

हत्या करने वाली सास और साथीदार दोनो गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां सास ने अपने अपने साथी के साथ मिलकर बहू की हत्या कर दी और उसकी लाश को वालधुनी ब्रिज के नीचे फेंक दिया। कल्याण पूर्व के न्यू जिम्मीबाग, कपेर्वाडी में हुई इस घटना का खुलासा करते हुए एसीपी कल्याणजी घेटे ने बताया कि लताबाई नाथा गांगुर्डे (60) ने एक जनवरी की रात अपने साथी जगदीश महादेव म्हात्रे के साथ मिलकर, बहू रुपाली विलास गांगुर्डे (35) की लोहे की सरिया से मारकर हत्या कर दी । और पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने बहू की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट लिखवाई। पुलिस ने जब लावारिस शव की फोटो दिखाई तो सास लताबाई ने बहू को पहचान लिया। महात्माफुले पुलिस ने इस हत्या

की गुत्थी को सुलझाने के लिए जांच आगे बढ़ाई तो चौकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार मृतका रुपाली का पति विलास गांगुर्डे रेलवे में नौकरी करता था। सितंबर 2025 में उसकी मौत हो गई। पति के देहांत के बाद पत्नी रुपाली को करीब 10 लाख रुपये मिले थे। सास लताबाई की नजर इन पैसों पर थी। साथ ही वह मृतक विलास की जगह पोते वंश की अनुकंपा तत्व पर रेलवे में नौकरी लगवाना चाह रही थी। लेकिन नाबालिग होने की वजह से रुपाली ने स्वयं नौकरी के लिए रेलवे में आवेदन किया। इसी बात से नाराज सास ने बहू की हत्या की साजिश रची और बीती एक जनवरी की रात नए साल के पहले दिन अपने साथी के साथ मिलकर उस्की हत्या कर दी।

फिलहाल हत्या के आरोप में पुलिस ने सास लताबाई और उसके साथी जगदीश म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया है, और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

भिवंडी में स्वीप टीम द्वारा अण्णासाहेब जाधव स्कूल में पथ्यनाट्य द्वारा मतदान जनजागरूकता कार्यक्रम संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव 2025-2026 के अंतर्गत मतदाता जागरूकता (रशएएढ) कार्यक्रम के तहत पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव हाईस्कूल, धामणकर नाका में मतदान जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आयुक्त अनमोल सागर, अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती नयना ससाणे तथा स्वीप कक्ष के नोडल अधिकारी श्रीकांत परदेशी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शहर के नागरिकों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं महिला पालक वर्ग के साथ मतदान की शपथ दिलाई गई तथा पथनाट्य

के माध्यम से मतदान का संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से महिला पालक वर्ग में मतदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती कल्पना तलपाड़े, राहुल नाडेकर का विशेष योगदान रहा। साथ ही विद्यालय के प्राचार्य सुधीर घागस, उपाध्यक्ष श्रीमती अरुणा जाधव उपस्थित रहे। स्वीप पथक से पंडित केणे, सुबोध जाधव, श्रीमती धनश्री मेस्त्री, श्रीमती लीना तारे, पंकजकुमार राऊत, सनी ओव्हाळ तथा विकी जाधव ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सक्रिय सहभाग लिया। इस जनजागरूकता अभियान के माध्यम से मतदाताओं को लोकतंत्र में मतदान के अधिकार और उसके महत्व के बारे में प्रेरित किया गया।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

हेल्थकॉन मुंबई में मेडिकल प्रैक्टिस में न्यूट्रिशन को सबसे आगे लाता है

मुंबई। प्रिवेंटिव हेल्थकेयर शिक्षा को मजबूत करने और सबूत-आधारित क्लिनिकल प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टेंट्स, मुंबई (AMC) ने, फिजिशियन एसोसिएशन फॉर न्यूट्रिशन (PAN) के साथ मिलकर, मुंबई में 48वां कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (CME) प्रोग्राम, हेल्थकॉन 2025 आयोजित किया। इस पूरे दिन के कार्यक्रम में अलग-अलग स्पेशियलिटी के डॉक्टरों को एक साथ लाया गया ताकि आधुनिक मेडिकल प्रैक्टिस में न्यूट्रिशन, लाइफस्टाइल और संपूर्ण स्वास्थ्य पर सार्थक चर्चा की जा सके। हेल्थकॉन 2025 ने इस बढ़ती पहचान को दिखाया कि आज हेल्थकेयर सिर्फ इलाज तक ही सीमित नहीं है और इसे रोकथाम और रोजमर्रा के स्वास्थ्य विकल्पों पर भी जोर देना चाहिए। कार्यक्रम की शुरूआत AMC और उसकी पहलों के परिचय से हुई, जिसने कई सत्रों के लिए माहौल तैयार किया, जिसमें यह पता लगाया गया कि खाने की आदतें, भोजन की गुणवत्ता और लाइफस्टाइल कारक लंबे समय के स्वास्थ्य परिणामों को कैसे प्रभावित करते हैं। वैज्ञानिक एजेंडा में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए भाषण शामिल थे, जिनमें प्रोसेस्ड फूड के प्रभाव, न्यूट्रिशन संबंधी सबूतों को समझना, प्रोटीन के सेवन में चुनौतियाँ, और डेयरी और स्वास्थ्य पर सबूत-आधारित दृष्टिकोण जैसे विषय शामिल थे। डॉ. स्मृति नासवा, डॉ. अनुजा पेठे, डॉ. शरंग वारटिकर, डॉ. किरण कुलकर्णी और डॉ. रूपा शाह जैसे वक्ताओं ने रिसर्च और वास्तविक दुनिया के अनुभव पर आधारित क्लिनिकल जानकारी साझा की। न्यूट्रिशन के सिद्धांतों को रोजमर्रा की क्लिनिकल प्रैक्टिस में बदलने पर एक प्रैक्टिकल सत्र ने डॉक्टरों को थ्योरी और मरीजों की काउंसलिंग के बीच की खाई को पाटने में मदद की। इसके अलावा, पूरे दिन इंटरैक्टिव पैनल चर्चाएँ हुईं, जिसमें डॉ. राम एस और डॉ. मनाली राव जैसे विशेषज्ञ शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों को खुली बातचीत, केस-आधारित चर्चाओं और प्रश्नोत्तर सत्रों में शामिल होने का मौका मिला, जिसने सक्रिय सीखने और विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया। क्लिनिकल न्यूट्रिशन के अलावा, CME ने उन क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जो डॉक्टरों के पेशेवर और व्यक्तिगत स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। वित्तीय फिटनेस, बीमा और संगठनात्मक स्वास्थ्य पर सत्रों ने हेल्थकेयर प्रदाताओं के बीच लचीलेपन और स्थिरता के महत्व पर प्रकाश डाला, इस विचार को मजबूत किया कि स्वस्थ डॉक्टर बेहतर गुणवत्ता वाली मरीजों की देखभाल करने में बेहतर स्थिति में होते हैं।

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना जौनपुर के युवाओं की उम्मीद की नई किरण

5 लाख की सहायता से साकार हो रहे स्वरोजगार के सपने, आत्मनिर्भर बन रहे युवा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना जनपद जौनपुर के शिक्षित युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत प्राप्त रू. 5 लाख तक की वित्तीय सहायता से युवा न केवल अपने व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और सेवाओं का भी विस्तार हो रहा है।

जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर के मार्गदर्शन में अनेक युवाओं ने अपने सपनों को हकीकत में बदला है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को धरातल पर साकार कर रहे हैं।

दुग्ध व्यवसाय से बनी पहचान: ग्राम व पोस्ट जमैथा निवासी प्रदीप पाल (आईटीआई, बीए) ने पारिवारिक आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद हिम्मत नहीं हारी। जिला उद्योग केन्द्र जौनपुर एवं उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा अहमदपुर के सहयोग से 5 लाख की सहायता प्राप्त कर उन्होंने दुग्ध उत्पाद व्यवसाय की शुरूआत की। आज वे क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले

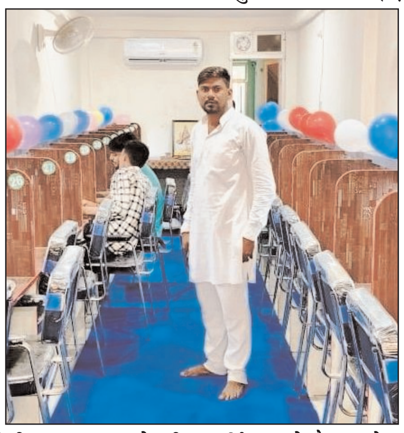

दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति कर रहे हैं।

जेन्ट्स पार्लर से आत्मनिर्भरता की राह: ग्राम व पोस्ट नईगंज निवासी प्रिंस राज शर्मा (बीए) ने योजना का लाभ उठाकर जिला उद्योग केन्द्र एवं यूपी ग्रामीण बैंक शाखा पॉलिटेक्निक के माध्यम से जेन्ट्स पार्लर व्यवसाय स्थापित किया। वर्तमान में वे स्थानीय लोगों को सेवाएं प्रदान कर सफल स्वरोजगार का उदाहरण बने हैं।

डिजिटल लाइब्रेरी से शिक्षा को नई दिशा: ग्राम जर्रो, पोस्ट मल्हनी निवासी गौरव कुमार यादव (एमएससी, बीएड, बीटीसी) ने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद हार नहीं मानी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा मल्हनी के सहयोग से 5 लाख की सहायता प्राप्त कर उन्होंने शाहगंज क्षेत्र के लपरी चौराहा पर 'यथार्थ डिजिटल लाइब्रेरी' की स्थापना की, जिससे स्थानीय विद्यार्थी डिजिटल शिक्षा का लाभ उठा रहे हैं।

जन सेवा केन्द्र से बढ़ी सुविधाएं: बरसठी क्षेत्र के गोरा पट्टी में भागवत प्रसाद (एमए, बीएड, सीसीसी) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा आलमगंज के सहयोग से 5 लाख की सहायता प्राप्त कर भागवत जन सेवा केन्द्र की स्थापना की। इस केन्द्र से न केवल उन्हें बल्कि स्थानीय नागरिकों को भी विभिन्न सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

युवाओं ने जताया आभार: योजना के सभी लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रति सादर आभार व्यक्त किया है।

सावित्रीबाई फुले के सपने को साकार कर रहीं अनुप्रिया: पप्पू माली

अपना दल एस पार्टी ने मनाई सावित्री बाई फुले की 196वीं जयंती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपना दल एस पार्टी जिला कार्यालय वाजिदपुर में शनिवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई

फुले की 196 वीं जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। माली सैनी समाज एवं पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। लोगों ने उनके शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त श्रीमाली महासभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली रहे। पप्पू माली ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले का देश के सर्वांगीण विकास में अद्वितीय योगदान रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले के योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई ने समाज और देश के बहुमुखी विकास की आधारशिला रखी। समाज के उत्थान में उनकी भूमिका अहम है।उन्होंने कहा कि इसके लिए केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल निरंतर प्रयासरत हैं। इसके लिए अनुप्रिया पटेल ने सदन में आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि जनहित के हर मुद्दे को अत्यंत मजबूती के साथ सदन में उठा रही हैं और लोगों के हक को दिलाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अनुप्रिया पटेल सावित्रीबाई फुले के सपने को साकार कर रही हैं। समाज को शिक्षित करके उन्होंने महिलाओं को समाज में सम्मान और अधिकार दिलाने का काम किया।

बाल विवाह, सती प्रथा और समाज की कुरीतियों को दूर किया। सावित्रीबाई फुले से प्रेरित होकर महिलाएं आज संपूर्ण विश्व में भारत को विश्वगुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनसे प्रेरित होकर महिलाएं सशक्त होकर पीएम मोदी की महिला सशक्तिकरण की परिकल्पना को साकार कर रही हैं। उन्होंने दोनों समाज सुधारकों ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न दिलाने और 3 जनवरी को महिला शिक्षक दिवस घोषित करने की मांग की।

अध्यक्षता संयुक्त श्रीमाली महासभा के जिलाध्यक्ष अनिल श्रीमाली और संचालन श्रीमाली महासभा के उपाध्यक्ष रविकांत माली ने किया। मौके पर बबलू श्रीमाली, रामचंद्र माली, राजू माली, सत्येंद्र प्रताप माली, अनिल जायसवाल, हरिहर प्रसाद पटेल, अखिलेश माली, पंचम माली, संतोष माली, संजय माली, राज नारायण पटेल, बजरंगी पटेल, राजेश मिश्रा, जयप्रकाश पटेल, सत्येंद्र पटेल, योगी योगेंद्र नाथ बिंद, धर्मेंद्र पटेल, मानसिंह पटेल, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अली डे पर शाहपंजे बाबूपुर हुसैनाबाद में अकीदत का इजहार, केक काटकर मनाई गई विलादत-ए-इमाम अली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अली डे के मौके पर शहर के शाहपंजे बाबूपुर हुसैनाबाद में विलादत-ए-इमाम

अली अ.स. बड़े ही अकीदत और जोश के साथ मनाई गई। इस अवसर पर केक काटकर अली डे का जश्न मनाया गया और बड़ी संख्या में मौजूद जायरीनों के बीच मिठाई, फल व केक का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मौला अली अ.स. की शख्सियत, इंसाफ, बहादुरी और इंसानियत के पैगाम को याद किया गया।

अली डे के इस आयोजन में शोहरा-ए-कराम ने मौला अली अ.स. की शान में कसीदे और मनकबत पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया। कायम अली, फराज, मेहंदी गौहर अली, अकील, राजा और बेलाल हसनैन सहित अन्य शायरों ने पेशख्वानी के फरायज अदा किए। उनके कलाम ने मौजूद अकीदतमंदों के दिलों में जोश और अकीदत भर दी।

कार्यक्रम का आयोजन शारिक खान,कैश बाबा ने किया हदीसे किसा मौलाना बेलाल हसनैन साहब ने किया। उन्होंने अली डे की अहमियत पर रोशनी डालते हुए कहा कि हजरत अली अ.स. की ज़िंदगी इंसाफ, सब्र और इंसानियत का बेहतरीन नमूना है, जिससे समाज को राह मिलती है। अली डे पर कमेटी लोगों ने आए हुए तमाम जायरीनों को फल, मिठाई और केक भी वितरित किए।

इस मौके पर जुहैब हसन अफरोज, शजर हसन, अनम हसन, शारिक खान, कैश बाबा, एडवोकेट यासिर इमाम, सौरभ नजीर, शर्की हसन, आसिफ रिजवी, अली हसन समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में देश में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की गई। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी पत्रकार आबिश इमाम सनी ने दी।

साइबर अपराध से जुड़ी हर समस्या का समाधान करेगा साइबर क्लब

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा का बड़ा कदम: साइबर क्लब का बहुआयामी विस्तार

हर विभाग में तैनात होंगे साइबर वालेंटियर्स, देंगे साइबर सुरक्षा संदेश

साइबर जागरूकता के साथ अब निःशुल्क तकनीकी, विधिक व मनोवैज्ञानिक परामर्श भी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डिजिटल दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलाव के बीच बढ़ते साइबर अपराध चुनौती बन चुके है। इसी को ध्यान में रखते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। विश्वविद्यालय में सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय के साइबर क्लब का विस्तार किया है। यह क्लब साइबर जागरूकता के साथ ही साइबर अपराध होने पर तकनीकी, विधिक और मनोवैज्ञानिक परामर्श भी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को निःशुल्क मुहैया करा रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति में डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर को पुनः नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। डॉ. अन्नू त्यागी सह नोडल अधिकारी एवं काउंसलर, डॉ. राहुल राय विधि परामर्शदाता और सत्यम उपाध्याय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में शामिल हैं। यह टीम मिलकर साइबर अपराध की रोकथाम और डिजिटल सुरक्षा के लिए काम करेगी।साइबर क्लब जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही मनोवैज्ञानिक परामर्श, विधिक और तकनीकी सहायता भी देगा, ताकि कोई भी विद्यार्थी या कर्मचारी अकेला महसूस न करे। समिति ने ऑनलाइन बैठक कर विभागवार साइबर वॉलिंटियर्स नेटवर्क के जरिए नियमित डिजिटल संदेश भेजकर सभी विद्यार्थियों को निरंतर साइबर जागरूक करने का निर्णय लिया है।

नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने बताया कि साइबर अपराध से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए साइबर क्लब द्वारा त्रि-स्तरीय सहायता मॉडल पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया गया है। इस मॉडल के अंतर्गत तकनीकी स्तर पर साइबर अपराध से संबंधित तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान,

कानूनी स्तर पर पीड़ितों को शिकायत दर्ज कराने में सहायता तथा विधिक मार्गदर्शन एवं मानसिक स्तर पर साइबर अपराध से उत्पन्न तनाव, भय एवं मानसिक आघात से उबरने हेतु निःशुल्क मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था है।

शादी का झांसा देकर युवती संग दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के खुटहन थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी का झांसा देकर युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने और महीनों तक उसका शारीरिक शोषण करने के आरोपित को पुलिस ने शनिवार को गभिरन बाजार के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म, दलित उत्पीड़न व अपहरण सहित विभिन्न धाराओं में पीड़िता की तहरीर पर पूर्व में मुकदमा दर्ज था। आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद आरोपित का चालान न्यायालय भेज दिया गया। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने थाने में गत 31 दिसंबर को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ईश्वरपुर सलहदीपुर गांव निवासी दिलीप यादव लगभग डेढ़ माह पूर्व शादी का झांसा देकर उसे अपने साथ बहला फुसलाकर हैदराबाद भगा ले गया। जहां वह महीने से अधिक दिनों तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोप है कि जब वह कोर्ट मैरेज करने का दबाव बनाने लगी तो उसके साथ मारपीट की गई। बाद में उसे लाकर गांव में छोड़ कर भाग गया। जब वह शिकायत लेकर उसके घर गई तो दिलीप और उसके दो भाई संदीप और प्रदीप उसे गाली गलौज और धमकी देकर घर से भगा दिए। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी। शनिवार को जानकारी मिली कि आरोपित गभिरन बाजार के पास मौजूद हैं। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अजय कुमार शर्मा के साथ मौके पर पहुंच उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

आम आदमी पार्टी द्वारा सावित्रीबाई फुले की जयंती पर ग्रामीण बच्चों को किताबें व पेंसिल वितरित

आप पार्टी सदैव शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे सामाजिक कार्य करती है: जिलामहासचिव, विनोद प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी जौनपुर द्वारा शिक्षा को समर्पित एक सराहनीय पहल की गई। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिलामहासचिव विनोद प्रजापति के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद बच्चों को

किताब, कॉपी व पेंसिल इत्यादि शिक्षा सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान विनोद प्रजापति ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा के माध्यम से समाज में समानता और जागरूकता का संदेश दिया। उनके विचारों से प्रेरणा लेते हुए आम आदमी पार्टी का उद्देश्य है कि ग्रामीण व वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाए और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिलें। शिक्षा ही समाज को मजबूत बनाती है और आम आदमी पार्टी सदैव शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे जुड़े सामाजिक कार्य करती है। बच्चों के चेहरों पर खुशी देखकर यह स्पष्ट हुआ कि इस छोटे से प्रयास से भी उनके मनोबल में वृद्धि हुई है। उक्त कार्यक्रम में मुमताज अहमद, शशि रजक, आशीष यादव, अविनाश तथा पार्टी के कार्यकर्ता, स्थानीय ग्रामीणजन एवं अभिभावक उपस्थित रहे और इस पहल की सराहना की। उक्त कार्यक्रम की जानकारी आम आदमी पार्टी जौनपुर के जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दिया।

विवाहिता ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के भुईली गांव में एक विवाहिता द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही स्वजनो में हड़कंप मच गया। मृतका के मायके वालों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, ससुराल पक्ष को शव का अंतिम संस्कार करने से रोक दिया। फिलहाल पुलिस मौके पर है तथा मायके पक्ष के लोगो के आने का इंतजार किया जा रहा है। आजमगढ जनपद के बरदह थानाक्षेत्र के चौकी गांव निवासी लक्ष्मी चौरसिया का विवाह गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के भुईल गांव निवासी हरिओम चौरसिया से दस वर्ष पूर्व हुआ। दंपति के एक पांच वर्षीय तथा एक तीन वर्षीय दो पुत्र है। हरिओम गांव में ही मोबाईल की दुकान चलाता है। रोज की भांति लक्ष्मी सुबह उठकर परिवार के लोगों का चाय बनाकर देने के बाद अपने कमरे में चली गयी। लगभग साढे सात बजे किसी स्वजन की नजर कमरे के खुले दरवाजे पर पडी तो लक्ष्मी छत में लगे पंखे के सहारे साडी के फंदे पर झूल रही थी। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को पंखे से उतारकर कब्जे में ले लिया और मायके पक्ष को सूचना दी गयी। मायके वालों ने खुद के पंहुचने तक शव को पोस्टमार्टम या अंतिम संस्कार करने से रोक दिया है। समाचार संप्रेषण तक मायके से कोई आया नही था। इस मामले में पुलिस का कहना है कि मायके पक्ष की तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे झोपड़ी में घुसी, सो रहे दम्पति गम्भीर रूप से हुए घायल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत आजमगढ़ मार्ग स्थित टेलीफोन एक्सचेंज के समीप बीती रात सड़क दुघर्टना में अनियंत्रित ट्रक एक झोपड़े में घुस गया। जिसमें सो रहे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। क्षेत्र के भादी गांव के आजमगढ़ मार्ग पर स्थित टेलीफोन एक्सचेंज के समीप सड़क के किनारे

धरकार अपना डेरा डाल कर रहते हैं। शुक्रवार की रात तीन बजे के करीब एक ट्रक अनियंत्रित होकर झोपड़े में घुसा गया। जिसमें सो रहे पति-पत्नी 35 वर्षीय सिंधु पत्नी संजय कुमार, व 40 वर्षीय संजय कुमार पुत्र स्व सूरज धरिकार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दें आनन-फानन में घायलों को एम्बुलेंस की मदद से इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायलों की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ट्रक व चालक को कब्जे में ले मामले की जांच में जुटी हुई है।

एटीएम सिस्टम से छेड़-छाड़ कर पैसा निकालने वाले 2 गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा ए.टी.एम. सिस्टम से छेड़-छाड़ कर पैसा निकालने वाले अन्तर प्रान्तीय 02 शातिर आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। अपर पुलिस अधीक्षक नगर व सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में, थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-02/26 धारा- 318(4)/319(2) / 111 बीएनएस व 66 आईटी एक्ट

थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित आरोपी, आशु यादव पुत्र रामकेश यादव निवासी रीठी थाना सिकरारा जनपद जौनपुर, शिवा मौर्या पुत्र ओमप्रकाश मौर्या निवासी ग्राम जगदीशपुर थाना महिलाबाद जनपद लखनऊ उम्र करीब 28 वर्ष के द्वारा अपने गिरोह के सदस्यो के साथ उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय के पास लगी स्कार्पियो से ए.टी,एम. सिस्टम से छेड छाड करके नोएडा, कानपुर, बरेली, जौनपुर, लखनऊ तथा रीवा भिलाई आदि जगह पर पैसा निकालना व सी.सी.टी.वी. फूटेज के साक्ष्य के आधार पर दिनांक 02.01.2026 को समय- 18.30 बजे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

पर्यटकों के बढ़ते बोझ से हांफ रहा है बनारस

संकरी सड़को और गलियों वाले शहर में यातायात व्यवस्था हुई बेहाल

यातायात पुलिस के तमाम प्रयासों के बाद भी शहर के कई इलाकों में रोजाना लगता है घंटों का जाम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी काशी इन दिनों पर्यटकों की भारी भीड़ से जूझ रही है। संकरी गलियों और पुरानी सड़कों वाला यह अपना शहर अब पर्यटन के बढ़ते दबाव से हांफने लगा है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण और गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण के बाद पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है, लेकिन शहर की यातायात व्यवस्था इसके लिए तैयार नहीं दिखती। रोजाना घंटों के जाम ने स्थानीय निवासियों और आने वाले श्रद्धालुओं दोनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में वाराणसी में 7.26 करोड़ से अधिक पर्यटक आए, जो पिछले वर्षों की तुलना में अभूतपूर्व वृद्धि है। जनवरी से मार्च 2025 तक ही घरेलू पर्यटकों की संख्या 11.46 करोड़ पहुंच गई, जबकि विदेशी पर्यटकों की तादाद भी 1.5 लाख के पार हो गई।

नए साल 2026 के स्वागत के लिए दिसंबर के अंतिम सप्ताह से ही लाखों श्रद्धालु काशी पहुंचने लगे। अनुमान के मुताबिक, नए साल पर अकेले पांच लाख से अधिक पर्यटक आने की उम्मीद थी, जिसके चलते गोदौलिया, मैदागिन और दशाश्वमेध घाट क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित करना पड़ा।शहर की संकरी सड़कें और गलियां, जो सदियों पुरानी हैं, अब वाहनों की बाढ़ नहीं संभाल पा रही हैं। गोदौलिया, लहुराबीर, मैदागिन, अस्सी घाट, लंका और कैंट स्टेशन जैसे इलाकों में रोजाना घंटों का जाम लग रहा है। पर्यटकों की गाड़ियां, ई-रिक्शा, ऑटो और स्थानीय वाहन मिलकर ट्रैफिक को ठप कर देते हैं।

पांच-छह साल पहले अस्सी, राजघाट या मंडुआडीह जैसे क्षेत्रों में जाम नहीं लगता था, लेकिन अब हर कोने में भीड़ है। पर्यटक अक्सर अपनी गाड़ियां सड़क किनारे पार्क कर देते हैं, जिससे जाम और बढ़ जाता है।यातायात पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद स्थिति नियंत्रण से बाहर दिखती है।

नए साल के लिए 29 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर के बाहरी पार्किंग स्थलों पर रोक दिया जाता है, जबकि घाटों और मंदिर क्षेत्र में चार पहिया वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, लेकिन भीड़ इतनी अधिक है कि गंगा आरती के समय दशाश्वमेध घाट पर खड़े होने की जगह तक नहीं मिलती। होटल और धर्मशालाएं हाउसफुल हैं

यह समस्या केवल नए साल तक सीमित नहीं है। महाकुंभ 2025 के दौरान भी प्रयागराज से आने वाले श्रद्धालु काशी में रूके थे जिससे जनवरी-फरवरी में भी शहर में भीषण जाम की स्थिति बनी रही थी और यातायात पर इतना अधिक दबाव हो गया था कि कई इलाकों में पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था।

शहर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है, और रोजाना 10-20 हजार पर्यटक वाहन अतिरिक्त दबाव डालते हैं। हालात ये है कि इस दुनिया के सबसे पुराने शहर की संरचना में बड़े वाहनों के लिए जगह नहीं है, और पैदल मार्ग या रोपवे जैसे विकल्पों पर ध्यान देने की जरूरत है।स्थानीय लोग परेशान हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और आपातकालीन सेवाएं भी जाम में फंस जाती हैं।

प्रशासन अब रोपवे प्रोजेक्ट और रिंग रोड जैसी योजनाओं पर जोर दे रहा है, लेकिन फिलहाल शहर की सांसें फूल रही हैं।काशी की आध्यात्मिक शांति को बनाए रखने के लिए पर्यटन प्रबंधन जरूरी है। अगर समय रहते इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं सुधरा, तो यह पवित्र नगरी पर्यटकों के बोझ तले दब जाएगी। प्रशासन और हम सब को मिलकर सोचना होगा कि विकास और परंपरा का संतुलन कैसे बनाया जाए।

वसई-विरार महानगरपालिका चुनाव को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

नालासोपारा । वसई-विरार महानगरपालिका चुनावों की तैयारियों के तहत भाजपा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक नालासोपारा (पश्चिम) स्थित मंथन होटल में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी नगर निगम चुनावों को लेकर संगठनात्मक मजबूती, चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क और विजय के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ वसई-विरार नगर निगम की प्रमुख चुनाव प्रभारी एवं पूर्व सांसद श्रीमती पूनम ताई महाजन उपस्थित रहीं। साथ ही ठाणे मंडल संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे, प्रभारी अतुल कालसेकर, पालघर सांसद हेमंत सावरा, नालासोपारा विधानसभा विधायक राजन नाइक, भाजपा वसईझविरार शहर जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, जिला महासचिव जोगेंद्र प्रसाद चौबे एवं बिजेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में नगरसेवक और वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान सभी वक्ताओं ने कार्यकताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का आह्वान किया। साथ ही आगामी वसई-विरार नगर निगम चुनाव में एकजुट होकर कार्य करने और भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा कि त्वरित न्याय प्रक्रिया में अधिवक्ता की भूमिका महत्वपूर्ण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा कि त्वरित न्याय प्रक्रिया में अधिवक्ता की भूमिका महत्वपूर्ण रही है और आजादी के बाद संविधान निर्माण में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ.भीमराव अंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं और ये सभी महान पुरुष अधिवक्ता भी थे जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता स्व संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू जी की 20 वी पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं सेमिनार त्वरित न्याय प्रक्रिया में न्याय पालिका कार्य पालिका विधायिका एवं अधिवक्ता की भूमिका पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए प्रयागराज उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति श्रीमती वाणी रंजन अग्रवा ने कहा कि त्वरित न्याय प्रक्रिया में न्याय पालिका का जो सम्मान आम आदमी में है उसे और बढ़ाने की जरूरत है अधिवक्ता वादकारी व न्यायाधीश के बीच सेतु बनकर कार्य करता हैं और विधि और न्याय को समय के साथ परिवर्तित होते रहना चाहिए और कहा कि संतोषी बाबू एक अच्छे और विद्वान अधिवक्ता थे जो सदैव न्याय हित में कार्य करते थे। न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा कि आप सभी की शुभकामनाएं से मुझे उच्च न्यायालय जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है हम सभी दृहसंकल्पित है और त्वरित न्याय के लिए कार्य कर रहे हैं और कहा कि अधिवक्ता बार बेंच को जोड़ने का कार्य करते हैं।

जिला जज सुशील कुमार शशि ने कहा कि न्याय सिर्फ जज से नहीं होता है दोनों पक्षों को सुनने के बाद जो फैसला होता हैं वहीं न्याय होता हैं अधिवक्ता जिस वादकारी के लिए कार्य कर रहा हैं उसके प्रति ईमानदार होना चाहिए कहा कि अधिवक्ता ही जनमानस का मस्तिष्क है और अधिवक्ता कर्मयोगी होता हैं। स्वागत भाषण अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने करते हुए कहा है अधिवक्ता सदैव न्याय हित में कार्य करता हैं और जौनपुर के अधिवक्ता संघ का नाम देश भर में लिया जाता हैं जो सौभाग्य की बात है मैने हमेशा अधिवक्ता संघ हित में कार्य किया है और करूंगा। आज सुबह ही जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा जी और असम के राज्यपाल लक्ष्मण आर्चाय जी ने फोन कर सेमिनार में न आने पर खेद व्यक्त किया और संतोषी बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसके पूर्व सेमिनार का उद्घाटन अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। सभी अतिथि को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र बुके भेट कर स्वागत अभिनंदन किया गया। संचालन मंत्री रण बहादुर यादव ने किया। आभार कार्यकम संयोजक राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया।

सेमिनार में पूर्व अध्यक्ष आर पी सिंह सत्येन्द्र बहादुर सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, राजीव गुप्ता, प्रेम शंकर मिश्रा, जितेन्द्र उपाध्याय, ब्रज नाथ पाठक, प्रेम नाथ पाठक, रमेश चन्द उपाध्याय, अवधेश सिंह, रमेश सिंह सोलंकी, वशिष्ठ नारायण, डीजीसी क्रिमिनल लाल बहादुर पाल, हीरा लाल प्रजापति, अरुण प्रजापति, सुरेन्द्र प्रजापति, मंजू शास्त्री, जय प्रकाश कामरेड, राजनाथ चौहान, राकेश द्विवेदी, मनिता मंजीत कौर, मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रदीप श्रीवास्तव, शशांक दुबे, शहंशाह हुसैन, हिमांशु श्रीवास्तव, डीजीसी सिविल मनोज गुप्ता, आदि जिले भर के हजारों अधिवक्ता मौजूद रहे। सुरक्षा कर्मी भी भारी मात्रा में मौजूद रहे। उसके बाद न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने चौकियां धाम में मत्था टेका और दर्शन पूजन कर प्रयागराज प्रस्थान किया।

11वर्षीय किशोर की दुर्घटना में मौत, हाईवे जाम के बाद ट्रक रोडवेज में तोड़फोड़

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र जलालपुर के बगल महिमापुर जाने वाली मार्ग पर शुक्रवार की देर शाम ट्रक की चपेट में आने से महिमापुर गांव निवासी मिन्टू सोनकर पुत्र अनिल सोनकर 11 वर्ष की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने लखनऊ वाराणसी हाईवे जाम कर दिया और प्रदर्शन करने वालों ने ट्रक और रोडवेज बस के शीशे भी तोड़ दिए जिससे बस में सवार यात्री भयभीत हो गए थे। लगभग 1 घंटे तक घटनास्थल से लेकर हाइवे तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। बताते हैं कि महिमापुर गांव निवासी अनिल सोनकर का बेटा मिंटू साइकिल से बाजार गया था बाजार से सब्जी लेकर वापस लौटते समय शाम करीब 7.15 बजे विद्युत उपकेंद्र जलालपुर के बगल महिमापुर जाने वाले मार्ग की ओर बड़ा ही था कि एक ट्रक वापस लौट रही थी। उसके पिछले चक्के की चपेट में आने से मिन्टू की मौत घटनास्थल पर हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया । घटना की जानकारी होने पर पहुंचे ग्रामीणों ने गुस्से में ट्रक के शीशे तोड़ दिए। लगभग 7.45 बजे शव को लेकर बीबनमऊ गेट के पास लखनऊ वाराणसी हाईवे पर पहुंचकर जाम कर दिए। इससे दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई और आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने रोडवेज बस में भी तोड़फोड़ किए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को बिगड़ते देखा तो शक्ति दिखाते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और किसी तरह 8:10 बजे रास्ता खुलवा दिया। मौके पर सीओ केराकत अजीत कुमार रजक और थानाध्यक्ष गजानन चौबे फायर ब्रिगेड के जवानों के साथ देर रात तक मौके पर मौजूद रहे। गौरतलब हो कि अनिल सोनकर ठेले पर फल बेचते हैं और उनके दो बेटे अनुराग सोनकर 18 वर्ष और मिंटू 11 वर्ष थे जबकि एक बेटी अनुष्का 15 वर्ष की है। बड़े बेटे अनुराग की मौत भी डेढ़ माह पहले वाहन एक्सीडेन्ट के कारण हुआ था। और डेढ़ माह बाद छोटे बेटे की भी मौत वाहन एक्सीडेन्ट से हो गया । इस तरह अनिल सोनकर का तो परिवार ही उजड़ गया। दोनों बेटों की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पुलिस वर्षगांठ पर पुलिस आयुक्त कार्यालयों द्वारा पुलिस और डॉक्टरों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र पुलिस वर्षगांठ सप्ताह प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। पुलिस वर्षगांठ दिवस (पुलिस सेवानिवृत्ति दिवस) के अवसर पर, मीरा भायंदर वसई-विरार के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के निर्देशानुसार, पुलिस और अस्थि चिकित्सकों के बीच स्नेह, समन्वय और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने के उद्देश्य से 03 जनवरी 2026 को सुबह 7:30 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान (भयंदर पश्चिम) में एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच मीरा भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने क्रिकेट का भरपूर आनंद लिया और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया। क्रिकेट मैच के दौरान खेल भावना, अनुशासन और आपसी सम्मान का आदर्श देखने को मिला। पुलिस और चिकित्सक सामाजिक सेवा के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, और सामाजिक सद्भाव और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आपसी संवाद को मजबूत करने के लिए मीरा भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा इस प्रकार की मैत्रीपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया। क्रिकेट मैच दस ओवरों का था। पहले बल्लेबाजी करते हुए पुलिस टीम ने डॉक्टरों की टीम को 12 रनों का लक्ष्य दिया। पुलिस उपायुक्त अशोक विर्कर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पुलिस टीम ने प्रतिद्वंद्वी टीम को हरा दिया। विजेता और उपविजेता टीमों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस क्रिकेट मैच के लिए पुलिस विभाग से पुलिस उपायुक्त (जोन 1) राहुल चव्हाण, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय एवं विशेष शाखा) अशोक विर्कर, नवघर डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त सोहेल शेख, मुख्यालय के सहायक पुलिस आयुक्त तानाजी बार्डे और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा, ऑर्थोपेडिक डॉक्टर्स एसोसिएशन से डॉ. चरण जाधव (कप्तान), डॉ. महेश सालुंके, डॉ. पोसा, डॉ. धनंजय कल्याणकर, डॉ. संतोष यादव, डॉ. ओंकार रशिंकर, डॉ. अरुणेश शुक्ला, डॉ. नंदकुमार मिश्रा, डॉ. गणेश, डॉ. सुनील, डॉ. दिग्विजय, डॉ. संजय, डॉ. संतोष यादव और अन्य चिकित्सक भी उपस्थित थे।

युवक ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या, मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के बंदीपुर गांव निवासी एक 20 वर्षीय युवक ने शनिवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना से परिवार के लोगो में कोहराम मच गया।घटना के कारणों का पता नही चल सका है। ऊक्त गांव निवासी मनोज कुमार राजभर पुत्र जयराम राजभर राजगीर तथा टाइल्स लगाने का मिस्त्री था।वहां से लौट कर दोपहर को घर आया।उसके बाद वह घर से फिर कही चला गया।उसके बाद फिर वापस घर आया।घर आने के बाद वह कमरे में घुस गया और दरवाजा अंदर से बन्द कर लिया। उसका दरवाजा जब एक से डेढ़ घण्टे तक नही खुला तो परिवार के लोग दरवाजा खटखटाने लगे।दरवाजा फिर भी नही खुला। जिसके बाद उन लोगों ने बांस की सीढ़ी लगाकर रोशनदान से अंदर झांका।अंदर पंखे से साड़ी के सहारे मनोज लटक रहा था।परिजन तत्काल दरवाजा की कुंडी तोड़कर अंदर घुस गए।वहां फंदे पर लटक रहे मनोज को नीचे उतारा।तब तक मनोज की मौत हो चुकी थी।परिवार में कोहराम मच गया।मृतक तीन बहनों व दो भाइयों में छोटा था।घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।एसआई सुजीत ओझा ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।घटना किस कारण से हुई यह पता नही चल सका है।

रिहायशी मकान में देर रात अज्ञात कारणो से लगी आग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुछमुछ गांव में शिवकुमार हरिजन के रिहायशी मकान के दूसरे तल पर शुक्रवार की देर रात अज्ञात कारणो से आग लग गई। घटना में धीरे-धीरे सुलग कर रखा हुआ गृह उपयोगी सामान फ्रीज, टीवी, बिस्तर, कपड़े तथा कुछ आभूषण जलकर नष्ट हो गए। भोर में किसी ग्रामीण की नजर घर से निकलते धुंए पर पड़ी तो दरवाजा पीट कर गृह स्वामी को जगा कर सूचना दी। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने फिलहाल पानी फेंक पर आग पर काबू पाया। गृह स्वामी के अनुसार लगभग एक लाख रुपए का नुकसान हुआ है। समाचार संप्रेषण तक मौके पर राजस्व विभाग से कोई भी नुकसान का आकलन करने नहीं पहुंचा था।

तेरहवीं भोज गए व्यक्ति की बाइक हुई चोरी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सरौनी पश्चिम पट्टी गांव में शुक्रवार की देर शाम तेरहवीं भोज में सम्मिलित होने पहुंचे व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस मौके ए वरदात का मुआवना कर छानबीन में जुट गई। विदित हो कि उदयचंदपुर ग्राम निवासी भानुप्रताप गिरी सत्येंद्र की माता की तेरहवीं में सम्मिलित होने सरौनी पश्चिम पट्टी आए थे उन्होंने अपनी बाइक खड़ी कर भोज करने चले गए। वापस लौटे तो जगह से बाइक नदारत देखे पैरों तले से जमीन खिसक गई। आस पास काफी खोजबीन की गई मगर कही कुछ पता नहीं चल सका भुक्तभोगी शनिवार की सुबह कोतवाली पहुंच अज्ञात चोर के खिलाफ तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई, पुलिस मिली तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई।

डॉक्टर हेमंत सावरा तालुका स्तरीय खेल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल

पालघर। जिले के वाडा तालुका स्थित बा. ला. शिंगडा विद्यालय, पंचायत समिति वाडा में शिक्षा विभाग, पंचायत समिति वाडा द्वारा आयोजित तालुका स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2025-26 का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हेमंत सावरा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में स्पोर्ट्समैनशिप, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने छात्रों को पक्के इरादों, कड़ी मेहनत और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएँ दीं। डॉ. सावरा ने यह भी कहा कि इस तरह की शैक्षणिक और खेल गतिविधियाँ छात्रों के ऑल-राउंड डेवलपमेंट में अहम भूमिका निभाती हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती हैं। कार्यक्रम में शिक्षकगण, अभिभावक, आयोजक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

समाज के विकास के लिये एक मंच पर आना होगा : अंजनी प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के हुसेनाबाद में स्थित एक पैलेस में चक्रदूत प्रजापति समाज द्वारा भारतीय प्रजापति शीर्षक सुधारक सन्त राम सुभीख प्रजापति की जयंती धूमधाम मनाई गई। इस मौके पर अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम की शुरूआत किया जिसके बाद मुख्य अतिथि जेसीआई अध्यक्ष अंजनी प्रजापति ने एकता पर बल देते हुये कहा कि हम भले ही अलग-अलग संस्था या अलग-अलग पार्टी से क्यों ना हो? पर समाज के विकास के लिए एक मंच पर आना होगा तभी हमारा समाज विकास करेगा।

विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष सुशील प्रजापति, प्रजापति महासभा जौनपुर के संरक्षक अरुण प्रजापति एडवोकेट, अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रजापति एडवोकेट, प्रचार मंत्री जियालाल प्रजापति एडवोकेट, कैलाशनाथ प्रजापति, मोहन लाल प्रजापति ने संत राम सुभीख प्रजापति के जीवन पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि संत राम सुभीख प्रजापति अपने जीवन काल में कहते थे कि जो व्यक्ति अपने नाम के साथ अन्य जाति का शीर्षक लगाता है, वह व्यक्ति अपनी माता को गाली देने का कार्य करता है। इसी क्रम में संस्थापक महेन्द्र प्रजापति ने कहा कि राम सुभीख प्रजापति जी ने कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब प्रजापति समाज बनेगा राजनीति का इंजन, हाथों में होगी सत्ता की चाबी, हर महत्वपूर्ण पदों पर प्रजापति काबिज होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ दंत चिकित्सक प्रशान्त प्रजापति और संचालन चक्रदूत प्रजापति समाज के संगठन मंत्री संजय प्रजापति ने किया। अंत में चक्रदूत समाज के संरक्षक मुन्ना लाल प्रजापति ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर चक्रदूत प्रजापति समाज के संरक्षक चन्द्रशेखर प्रजापति, गुलाब चंद प्रजापति एडवोकेट, पूर्व व प्रथम जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति, उपाध्यक्ष सन्तोष प्रजापति, नगर अध्यक्ष डॉ. आरके चित्रवंशी, प्रजापति महासभा के संरक्षक राजेन्द्र प्रजापति एडवोकेट, शिक्षक राजेन्द्र प्रजापति, उपाध्यक्ष डॉ योगेन्द्र प्रजापति एडवोकेट, डॉ श्रवण प्रजापति, योगेन्द्र प्रजापति एडवोकेट, संयुक्त मंत्री अरविन्द प्रजापति एडवोकेट, छात्र नेता मोहित, वरिष्ठ समाजसेवी शिवशंकर प्रजापति, रामपलट प्रजापति, सालिक राम वर्मा एडवोकेट, प्रमोद प्रजापति, डॉ. सोमारू राम प्रजापति, पवन प्रजापति, शिक्षक जिलाजीत प्रजापति, समाजसेवी लालजीत प्रजापति, उर्मिला प्रजापति, प्रतिभा साहू, रामसरन प्रजापति, अनिल प्रजापति, सुरेश प्रजापति सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

छितौना गांव में सौहार्द बंधुत्व मंच ने मनाया सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के छितौना ग्राम में शनिवार को भारत की पहली शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन हर्षौल्लास के साथ मनाया गया।सर्वप्रथम संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर व सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके संघर्षों को याद किया गया।इस बाबत सामाजिक कार्यकर्ता नीरा आर्या ने बताया कि सावित्रीबाई फुले को समाज सेविका, नारी मुक्ति आंदोलन में हिस्सा लेने वाली और देश की पहली अध्यापिका के रूप में जाना जाता है। उन्होंने महिलाओं के लिए भी लम्बी लड़ाई लड़ी और उनकी स्थिति में सुधार के लिए बहुत योगदान दिया। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेते हुए जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। वही मंच की सक्रिय साथी पूनम ने सावित्रीबाई फुले के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले ने समाज की रूढ़ियों को चुनौती देकर शिक्षा और आत्मसम्मान के लिए संघर्ष किया, विधवा, पूर्णविवाह, बाल विवाह, सतीप्रथा, छुआछूत जैसी प्रथा को रोकने के लिए आंदोलन किया। इस अवसर पर रामजन्म, अर्जून, रेखा धर्मावती, अनीता, शुभावती, राजमा समेत बंधुता मंच की किशोर व किशोरी मौजूद रहे।

भाजपा पालघर जिला में ग्रुप लीडर चयन प्रक्रिया संपन्न

पालघर। हाल ही में संपन्न नगर परिषद एवं नगर पंचायत चुनावों के पश्चात भारतीय जनता पार्टी, पालघर जिला द्वारा विभिन्न नगर परिषदों और नगर पंचायतों में ग्रुप लीडर चयन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। यह प्रक्रिया जिला अध्यक्ष माननीय भारतभाई राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद एवं चुनाव प्रभारी डॉ. हेमंतजी सावरा, विधायक हरिश्चंद्र भोये, जिला चुनाव प्रमुख बाबाजी कथोले सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निम्नलिखित ग्रुप लीडरों का चयन किया गया। जिसमें जगदीश राजपूत को दहानू नगर परिषद का ग्रुप लीडर भवानंद सांखे एवं कुणाल उदावंत को जवाहर नगर परिषद का ग्रुप लीडर, रामचंद्र भोईर को वाडा नगर पंचायत का ग्रुप लीडर नियुक्त किया गया। भारतीय जनता पार्टी, पालघर जिला की ओर से सभी नवनियुक्त ग्रुप लीडरों को हार्दिक बधाई दी गई। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके सक्षम नेतृत्व में संबंधित नगर परिषदों एवं नगर पंचायतों में विकासोन्मुख, पारदर्शी और जनहितकारी कार्यों को गति मिलेगी। पार्टी ने सभी ग्रुप लीडरों के उज्ज्वल और सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

समानता, सामाजिक न्याय के साथा शिक्षा की क्रांतिज्योति है सावित्रीबाई फुले : राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में 11 बजे दिन जिला अध्यक्ष श्री राकेश मौर्य की अध्यक्षता में महान शिक्षिका एवं समाज सुधारक, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले जी की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टी जनों ने सावित्रीबाई फुले जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा महिला सशक्तिकरण का पुनः संकल्प लिया। तत्पश्चात ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने मासिक बैठक हेतु एजेंडे से सदन को अवगत कराया तथा रक्क्ष्कार्य की दूसरे चरण में नए, छूटे एवं कटे मतदाताओं के फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि आज शोषित वंचित समाज की महिलाएं शिक्षा के प्रति जागरूक है, उनके सशक्तिकरण का श्रेय माता सावित्रीबाई फुले जी को जाता है।

आज उनकी जयंती पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्हें नमन करते हैं। ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले एक बहादुर समाज सुधारक थीं। उन्होंने ऐसे समय में महिलाओं की शिक्षा के लिए लड़कर भारतीय इतिहास का रुख बदला, जब लड़कियों को पढ़ने का अधिकार नहीं था। उनका संघर्ष केवल शिक्षा तक सीमित नहीं था बल्कि समानता और मानवता के लिए भी था। यही वजह थी कई बार समाज के लोगों ने उनका अपमान किया, पत्थर फेंके लेकिन वह रुकी नहीं। अपना मिशन जारी रखा। लड़कियों और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए स्कूल खोले। 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले की जयंती दृढ़ संकल्प, समानता और सामाजिक न्याय का उदाहरण है जो हर किसी को प्रेरित करता है। ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने रक्क्ष्कार्य के दूसरे चरण के लिए नेताओं कार्यकताओं से बूथ लेवल पर सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए हैं। गोष्ठी को पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, जयहिंद यादव, पूर्व प्रदेश सचिव कलीम अहमद, वरिष्ठ नेता रूखसार अहमद, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, जयंती यादव, डॉ.वीरेंद्र यादव, ज़िला उपाध्यक्ष गण महेंद्र प्रताप यादव, श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, इरशाद मंसूरी, ज़िला सचिव गण दीनानाथ सिंह, राजदेव पाल, डॉ रामसूरत पटेल, लक्ष्मीशंकर यादव, अजमत राईन, जितेंद्र शर्मा, संजीव साहू, डॉ.जंगबहादुर यादव, रमेश साहनी, ऊषा जायसवाल, राजेंद्र प्रसाद यादव, डॉ.अमित कुमार यादव, रामजतन यादव, वीरेंद्र यादव, निजामुद्दीन अंसारी, अशोक यादव नायक, गुड्डू सोनकर, दिलीप प्रजापति, आनंद गुप्ता, आदि ने संबोधित किया। संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

सीएम योगी ने काशी में ठिठुरते गरीबों को कंबल-भोजन बांटा

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भीषण शीतलहर के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए वाराणसी में ठंड से ठिठुरते गरीब और असहाय लोगों को कंबल व भोजन के पैकेट वितरित कर राहत पहुंचाई। मुख्यमंत्री ने न केवल जरूरतमंदों से हालचाल जाना, बल्कि छोटे बच्चों को चॉकलेट देकर उनके चेहरों पर मुस्कान भी बिखेरी। बच्चों की खुशी देखते ही बनती थी। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि ठंड के मौसम में कोई भी व्यक्ति सड़क या खुले आसमान के नीचे न सोए। रैनबसेरा आप सभी के लिए बनाया गया है, वहां रहकर सुरक्षित रहें। उन्होंने रैनबसेरों में ठहरे लोगों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। लोगों ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए बताया कि बिस्तर, कंबल, अलाव, प्रकाश और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था है। मौके पर मौजूद अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिए कि अत्यधिक ठंड को देखते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी गरीब या असहाय व्यक्ति रात में सड़कों पर न रहे। रैनबसेरों में साफ-सफाई, शौचालय, प्रकाश, बिस्तर, कंबल और अलाव की व्यवस्था हर हाल में बनी रहनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा कालभैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए दर्शन व्यवस्था सुचारु रखने और किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इस दौरान स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेंद्र राय, विधायक सौरभ श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद।

पूर्व प्राचार्य के निधन पर शिक्षक संघ ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के कम्मरपुर गांव निवासी राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह के पिता प्रो. विजय बहादुर सिंह के निधन पर शनिवार को पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ वाराणसी के मांडलिक मंत्री कुंवर यशवंत सिंह व जिलाध्यक्ष डॉ. अतुल प्रकाश यादव ने उनके घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने उनके पैतृक निवास स्थान पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढाढस बंधाया। उन्होंने आत्मा की शांति व परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्रो. विजय बहादुर सिंह क्षेत्र के गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर के प्राचार्य एवं भूगोल के विभागाध्यक्ष रहे जिनका हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। मौके पर शिव कुमार सरोज जिला महामंत्री, जय सिंह यादव जिला उपाध्यक्ष, दुष्यंत मिश्र जिला मंत्री, जिला प्रचार मंत्री पारसनाथ यादव, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रणंजय सिंह, ब्लॉक मंत्री उमेश चंद्र यादव समेत अन्य लोगों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

पीएम मोदी करेंगे वर्चुअल उद्घाटन, सीएम योगी भरेंगे खिलाड़ियों में जोश

वाराणसी। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति की विश्वविख्यात नगरी काशी अब खेल के राष्ट्रीय फलक पर भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। सिगरा स्थित डॉ. संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार से 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आगाज होगा। इस ऐतिहासिक आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्टेडियम में उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। यह दृश्य अपने आप में यह संदेश देगा कि आज का भारत खेल को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम मान रहा है। शनिवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह पहला अवसर है जब पूर्वांचल की धरती पर इतने बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित हो रही है, जिसमें देशभर से 58 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

महापौर ने बताया कि काशी के खेल इतिहास में यह भी पहली बार है जब अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) के ऑब्जर्वर स्विट्जरलैंड से प्रतियोगिता की निगरानी के लिए वाराणसी पहुंचे हैं। मैचों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड और राजस्थान से विशेष टेराफ्लेक्स कोर्ट मंगाए गए हैं। कुल दो इंडोर और दो आउटडोर कोर्ट तैयार किए गए हैं, जहां आठ दिनों तक रोमांचक मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में 1022 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था शहर के प्रमुख होटलों के साथ-साथ स्टेडियम परिसर के नवनिर्मित छात्रावास में की गई है। दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। महापौर अशोक तिवारी ने कहा कि जहां सदियों से धर्म, दर्शन और संस्कृति की त्रिवेणी बहती रही है, अब वहीं खेल की चेतना भी अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रवाहित होने जा रही है। यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि काशी को ह्यस्पोर्ट्स टूरिज्म हबह्ल के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि काशी की यह सफल मेजबानी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के और बड़े खेल आयोजनों का मार्ग प्रशस्त करेगी।